यूनिट 2

CBI

चिल्ड्रन बाइबल इंवेस्टिगेशन

शिक्षकों की पुस्तक

हर उम्र के लिए

सीबीआई (CBI):

चिल्ड्रन बाइबल इंवेस्टिगेशन

संडे स्कूल

यूनिट 1

शिक्षकों की पुस्तक

हर उम्र के लिए (4 - 15 साल तक)

बच्चें महत्वपूर्ण हैं

सम्पूर्ण “बच्चें महत्वपूर्ण हैं” टीम को हार्दिक धन्यवाद!

Chief Editor: Kristina Krauss

Creative Team: Angie Kangas, Dwight Krauss, Flor Boldo, Jennifer Sánchez Nieto, Jon Kangas, Julio Sánchez Nieto, Mike Kangas, Monserrat Duran Díaz, Rubén Darío, Suki Kangas, Verónica Toj, and Vickie Kangas.

Translation Team: Ali Atuha, Aline Xavier, Annupama Wankhede, Aroma Publications, Benjamin Gaxiola, Blessie Jetender, Blessy Jacob, Carla Mayumi, David Raju, Diana de León, Ephraim Njuguna Mirobi, Finny Jacob, Jacob Kuruvilla, Jetender Singh, Marcos Rocha, Mary Amelia Hernández, Mathew Das, Nassim Bougtaia, Paul Mwangi, Paul Septan, Rubina Rai, Sabrina Benny John, and SubtitleMe.

सीबीआई में आपका स्वागत है...

"चिल्ड्रन बाइबल इन्वेस्टीगेशन"!!!

चिल्ड्रन आर इंपॉर्टेंट की ओर से इस साल भी अगले संपूर्ण वर्ष के लिए संडे स्कूल कक्षाओं, या साप्ताहिक बाइबल प्रशिक्षण को प्रदान करते हुए हमें काफी आनंद महसूस हो रहा है, जो आप अपनी कलीसिया, क्षेत्र या समुदाय में बच्चों को दे सकते हैं। इस कार्यक्रम में, आपके विद्यार्थी कल्पना करेंगे कि वे सीबीआई एजेंट्स है या विशेष जासूस है और उन्हें एक मामला सुलझाने के लिए दिया गया है। टीवी में दिखाई देने वाले कार्यक्रम जैसे कि "सीइडी" या " क्राइम पेट्रोल" की तरह ही आपके विद्यार्थी पुलिस या जासूस और वैज्ञानिक टेक्नीशियन होंगे जोकि उस मामले को सुलझाने के लिए कई सारे प्रयोग करते और फोटो लेते हैं। अपने क्रियात्मक गुणों का इस्तेमाल करते हुए अपनी कलीसिया को एक वैज्ञानिक लेबोरेटरी की तरह सजाओ और आपके शिक्षक सभी किसी वैज्ञानिक या पुलिस जासूस की तरह कपड़े पहनें।

पिछले कई सालों से, जबकि मैं संडे स्कूल पढ़ाती आ रही हूँ, मैंने इस बात पर गौर किया कि पासबान के बच्चे या लगातार कलीसिया में उपस्थित रहने वाले लोगों के बच्चे बाइबल के सामान्य कहानियों से अच्छी तरह परिचित होते हैं। अगर मैं वापस नूह की जहाज या योना और मछली की कहानियों को बोलना शुरू करती हूँ तो सभी बच्चे बैठे-बैठे झपकी लेते या बोरियत महसूस करते हैं क्योंकि वे पहले से ही इन कहानियों को जानते हैं। मैं किसी तरह अपने पढ़ाने के तरीके को बदलने की कोशिश करती, लेकिन अनजाने ही, वह पहले की तरह हो जाता और मेरे विद्यार्थी सभी बोर हो जाते। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए, चिल्ड्रन आर इंपॉर्टेंट के स्टाफ इस नए विचार के साथ सामने आए जहां पर एक अध्यापक के रूप में हम विद्यार्थियों को कहानियां नहीं सुनाएंगे! इसके स्थान पर, आपके बच्चों को स्वयं उस मामले को सुलझाना होगा और वह आपको बताएंगे कि वे हर हफ्ते कौन सी कहानी सीख रहे हैं! इसका यह अर्थ हुआ कि यह सबसे आवश्यक बात है कि आप बच्चों को अपने शिक्षकों की पुस्तक कभी भी ना दिखाएं,, ना ही उस पुस्तक में दिए गए उन जवाबों/संकेतों को वे किसी तरह से देख पाए,, जब तक कि वे उस कहानी को अपने आप ढूंढ नहीं लेते या पता नहीं लगा लेते। हर हफ्ते उनको देने के लिए 5 सुराग होंगे जब आप उन्हें सही अंदाजा लगाने के लिए उत्साहित करते हो। जैसे जैसे बच्चे उन सुरागों को देखते या समझते हैं तो ना ही आप उनसे अपनी सहमति दिखाएं और ना ही उन्हें मना करें, जिससे कि हर कोई कक्षा में बाइबल कहानी की शुरुआत के कुछ समय अंदाजा लगाने का आनंद और मजा ले सके।

उस केस के सुलझाए जाने के बाद, आप साधारण रूप से संडे स्कूल कक्षा के अन्य भागो को ले सकते हैं: जैसे कि, बाइबल की कहानियां, मुख्य शिक्षा, याद करने की आयत और जीवन में अमलीकरण। इस कार्यक्रम को और अधिक गहराई में ले जाने के लिए, हमने बच्चों को उस हफ्ते के दौरान करने के लिए गृह कार्य भी दिए हैं। उदाहरण के लिए, पहले हफ्ते में वे सीखते हैं कि वे परमेश्वर के लिए बड़े काम कर सकते हैं जबकि उनकी उम्र अभी छोटी ही है। गृह कार्य के रूप में,

उन्हें अपने घर ले जाने के लिए एक विशेष कार्य दिया जाएगा, जैसे कि बर्तन साफ करना या कुछ ऐसा करना जो कि आमतौर पर अपने घर में नहीं करते और यह देख सकते हैं कि परमेश्वर उन्हें किस प्रकार बड़ी आशीषें देता है जब वे कुछ ऐसा बड़ा काम करते हैं जो आमतौर पर वे नहीं करते। संडे स्कूल कक्षा के सामान्य भागों के बाद, कुछ अतिरिक्त मनोरंजक कार्यकलाप भी उपलब्ध है। हर हफ्ते के लिए हमने एक खेल, चर्चा प्रश्न, पहेलियों के साथ विद्यार्थी पृष्ठ और रंग भरने जैसे भागों को उपलब्ध कराया है, साथ ही एक मजेदार वैज्ञानिक प्रयोग को भी एक वैज्ञानिक के साथ दिया गया है जिनका नाम "डॉक्टर लूकास" है ।

जैसा कि हर बार हमारी सेवकाई में होता है, इस बार के सभी कार्यक्रम की सामग्रियां आपके लिए मुफ्त में उपलब्ध है। यहां तक कि अगर आप किसी ग्रामीण इलाके में रहते हो तब भी अध्यापक इन किताबों को इंटरनेट के द्वारा आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं और यह चुनाव कर सकते हैं कि आपको अपने विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी पृष्ठों की प्रतिलिपि लेनी है अथवा नहीं। इस " चिल्ड्रन बाइबल इंवेस्टिगेशन" या " सीबीआई" में कई सारे क्रियाकलाप दिए गए हैं ताकि यह आपके परिस्थितियों के अनुरूप कार्य कर सके जबकि आप विद्यार्थी पुस्तक का उपयोग ना करने का भी चुनाव करते हो। सबसे अच्छी बात यह है कि आपको इस कार्यक्रम को कलीसिया में चलाने के लिए इंटरनेट की जरूरत नहीं है! समय से पहले कोई एक जन इन सामग्रियों को तैयार कर सकता है और जिन अध्याय और पृष्ठों की कलीसिया में आवश्यकता हो, उसे लेकर आ सकता है, और आप अपनी सेवकाई को बढ़ते हुए अपनी आंखों से देख सकते हो!

आइए, इस नए और रोमांचकारी कार्यक्रम के साथ मिलकर इस साल के संडे स्कूल में डुबकी लगायें! आपके विद्यार्थी इन 39 पाठों में अभी भी दाऊद और गोलियत, एस्तेर, सृष्टि, यीशु का पुनरुत्थान, सूबेदार का विश्वास के विषय में ही सीख रहे होंगे जिनमें सीबीआई के सारे 3 यूनिट भी सम्मिलित है। मैं आपको चुनौती देती हूं कि आप अपनी कक्षा को जितना अधिक हो सके उतना मजेदार और रोमांचकारी बनायें! एक लैब में पहने जाने वाले सफेद कोट, वास्तविक विज्ञान प्रयोग, और पीले रंग की टेप के साथ अपनी क्रियातमक कला का इस्तेमाल करते हुए यह दिखाएं कि यही वह अपराध की जगह है जिसे " क्राइम सीन" कहा जाता है जिसे हम अपनी भाषा में "बाइबल सीन" कहेंगे। इस साल हमें पूरा यकीन है कि आपकी कल्पना से भी बढ़कर विद्यार्थियों के साथ मिलकर इस पाठ्यक्रम को अधिक मजेदार और रोमांचक बनायेंगे!

परमेश्वर आपको बहुतायत से आशीष प्रदान करें जब आप बच्चों के बीच में इस प्रकार नए और रोमांचक तरीकों के द्वारा सेवकाई करते हो!

मसीह में आपकी बहन,
क्रिस्टीना क्रोस

--[कैसे इस्तेमाल करें]—

अध्यापकों, इस मनोरंजक बाइबल खोज कार्यक्रम में आपका स्वागत् है! हम आशा करते हैं कि आप अपने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर सकते हो और उसी समय, साथ ही साथ काफी मौज मस्ती भी कर सकते हो! इस कार्यक्रम को एक संडे स्कूल, एक बच्चों की कलीसिया या बच्चों के बीच आयोजित किसी साप्ताहिक क्लब की सेवकाई में इस्तेमाल किया जा सकता है। इन दृश्य सामग्रियों को हमारे वेबसाइट में आपके लिए दिया गया है ताकि आप प्रत्येक चित्र को जितना चाहे उतना बड़ा करके देख सकते हो, या अपने विद्यार्थियों को मोबाइल फोन पर दिखा सकते हो। हम आशा करते हैं कि आप इस पाठ्यक्रम के सभी तीनों यूनिटों का आनंद उठा रहे हो, जिसमें आपके पास 9 महीने की कक्षाएं प्रदान की गई है। इस पहले यूनिट में 13 पाठ हैं और आगे आने वाले अन्य 2 यूनिटों को मिलाकर, आपके पास पूरे 39 पाठ होंगे।

अनुमानित समय सारणी: (2- 2 ½ घंटे)

- *सुरागों के विषय में परिचय (25 मिनट)*
  - शीर्षक (3 मिनट)
  - नाटक (10 मिनट)
  - वस्तु (3 मिनट)
  - पुरातत्व (2 मिनट)
  - बाइबल दृश्य (7 मिनट)
- *मुख्य पाठ का समय (35 मिनट)*
  - बाइबल कहानी / मामला सुलझ गया! (13 मिनट)
  - अमलीकरण (2 मिनट)
  - याद करने की आयत को कंठस्थ करना (15 मिनट)
  - गृहकार्य (3 मिनट)

- परमेश्वर का डीएनए (2 मिनट)

- *मस्ती का समय! (1 घंटा)*
  - खेल (15 मिनट)
  - चर्चा (15 मिनट)
  - विद्यार्थी पुस्तक (15 मिनट)
  - लूकास का वैज्ञानिक प्रयोग (15 मिनट)
- *वैकल्पिक "अंदाज़ा लगाओ" खेल (30 मिनट)*

सुराग!

अपनी कक्षा की शुरूआत आपके "जासूसों" के लिए मामलों को सुलझाने में मदद करने वाले उन सुरागों के साथ करो। इसमें उन्हें 5-15 मिनट लग सकते हैं और इसकी मस्ती को बनाए रखना पूरी तरह से आप पर निर्भर है! हर पाठ के लिए 5 सुराग दिए गये हैं। आप उन सुरागों को अपने मोबाइल फोन पर इस्तेमाल कर सकते हैं या कक्षा में ही इन सुरागों को बना सकते हैं ताकि विद्यार्थी उन्हें ढूंढ कर पता लगा सके।

1 सुराग # 1 शीर्षक

पहला सुराग स्वयं पाठ का शीर्षक ही हैं। आप विद्यार्थियों के लिए शीर्षक को पढ़ सकते हो या उन्हें दिखाने के लिए इसे प्रिंट भी कर सकते हो। उदाहरण के लिए, दाऊद और गोलियत के पाठ का नाम "गहरे आघात का मामला" दिया गया है। “गहरा आघात” इस बात की ओर संकेत करता है जब दाऊद ने गोलियत के सिर पर एक पत्थर से जोरदार प्रहार किया था। इस प्रकार के शीर्षक का उद्देश्य यह है कि खोजकर्ताओं और सुराग के निरीक्षण करने वाले लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों का उपयोग करके आपके बाइबल कक्षा में मस्ती के स्वाद को और अधिक बढ़ाया जाए। इस बात का ध्यान रखें कि आप अपनी अध्यापकों की पुस्तक विद्यार्थियों को न दिखाये ताकि वे नकल न कर सके और न ही बाइबल कहानी को देख सके।

सुराग # 2 नाटक

हर हफ्ते दिया जाने वाला दूसरा सुराग एक नाटक है। आप शिक्षकों को इसे अभिनय करने को कहें या स्वयं विद्यार्थियों से अभिनय करने को कहें। इसका उद्देश्य बाइबल कहानी के विषय को पूरा न प्रगट करते हुए दूसरा अन्य एक और सुराग प्रदान करना है। दाऊद और गोलियत की कहानी में, एक सिपाही अपने घर आता है और अपनी पत्नी से बातें करता है। वह सैनिक एक पलिश्ती है और बताता है कि किस तरह से वे युद्ध में हार गये थे। वे एक व्यक्ति के बारे में बातें करते हैं जिसे वे "भीम का बड़ा भाई" पुकारते हैं और उसका भाई भी काफी बड़ा था (बिना गोलियत का नाम लिए हुए)। बाइबल हमें यह नहीं बताती कि गोलियत का एक बड़ा भाई था जिसका नाम "भीम" था, यह तो केवल एक मजेदार नाटक है ताकि आपके विद्यार्थी उस बाइबल कहानी का अनुमान लगा सके।

सुराग # 3 वस्तु

हर पाठ में एक वस्तु के बारे में बताया गया है जो कि आपको अपनी कक्षा में लेकर आना है। ये कुछ भौतिक चीज़ें है जिसे आपके विद्यार्थी छू और महसूस कर सकते हैं और इनसे उन्हें उस बाइबल कहानी का अंदाजा लगाने में मदद मिलेगी। हमारे उदाहरण के पाठ में, जो वस्तु आपको अपनी कक्षा में लेकर आनी है वह पांच पत्थर होंगे। अगर विद्यार्थी इस बिन्दु पर इस बात का अंदाज़ा लगा लेते हैं कि ये पत्थर दाउद के हैं जो उसने नदी के तट के पास से उठाए थे, तो न इसमें अपनी सहमति दिखाएँ और न ही इससे इंकार करें। आप अपने विद्यार्थियों से झूठ बोलना नहीं चाहेंगे, लेकिन साथ ही आप यह भी चाहेंगे कि जितना अधिक संभव हो सके उतना अधिक समय वे कहानी के बारे में पूछताछ करते रहें।

सुराग # 4 पुरातत्व

हर पाठ के लिए चौथा सुराग वास्तविक पुरातत्व का एक हिस्सा है। यहां पर गत नगर के खंडहर

की एक वास्तविक आधुनिक तस्वीर दी गई है। आज यह तेल ज़फित राष्ट्रीय पार्क के अंदर स्थित है। (गोपनीय: गोलियत का घर, फिलिस्तीन शहर)। आप इस तस्वीर को दिखाएंगे और बिना रहस्य को प्रगट करते हुए बताएंगे कि यह गत नगर का पुराना शहर है। अधिक बच्चे इस बात को नहीं जानते कि गोलियत, गत नामक नगर का निवासी था, इसलिए आपका पाठ अब भी एक रहस्य ही बना रहेगा!

5 सुराग # 5 बाइबल दृश्य

हर हफ्ते का आखिरी सुराग बाइबल दृश्य होगा, कुछ ऐसा जिसे आप किसी आपराधिक स्थल की तरह बना सकते हो जहां पर आपके जासूस उस मामले की तहकीकात करेंगे।

उदाहरण के लिए, यह बाइबल दृश्य की तस्वीर हनन्याह और सफीरा के पाठ में से ली गई है जहां पर उन्होंने परमेश्वर से झूठ बोला था। आप इस तस्वीर का इस्तेमाल कर सकते हो जो हमने यहां पर दी है या आप स्वयं इस तरह की कोई आपराधिक स्थल बना सकते हो जहां पर दो मृत देहों का निशान बनाया हुआ है जिस पर आपके विद्यार्थी तहकीकात करेंगे। जैसा कि आप यहां देख सकते हैं कि इस कलीसिया ने पुलिस टेप को सुराग के चारों ओर बांध दिया है जिससे कि उनके विद्यार्थिओं को खोजबीन करने में ज्यादा मज़ा आए जबकि वे फर्श पर इस्तेमाल किए गये टेप को रखकर मृत शरीर का बाहरी निशान बनाते हैं।

मामला सुलझ गया   मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया!

एक बार जब आपके विद्यार्थियों ने सुराग का पता लगा लिया हो, तो उन्हें आगे बढ़कर मामले को सुलझाने दो या सही रूप से आपको बताने दो कि इस हफ्ते आप किस बाइबल कहानी के

बारे में पढ़ रहे हो। अगर आपके पास ऐसे विद्यार्थी हैं जिन्होंने कई सालों से किसी कलीसिया में भाग नहीं लिया है, तो उन्हें थोड़ा संघर्ष करना पड़ सकता है और हो सकता है कि वे उस बाइबल कहानी का अंदाज़ा न लगा पाए। लेकिन यह कोई समस्या नहीं है। आप आगे बढ़ सकते हो और उन्हें भी वह बाइबल कहानी बता सकते हो। यद्यपि वे उस बाइबल कहानी का सही अंदाजा नहीं लगा पाए हो, फिर भी ये सुराग पाठ को मजेदार तरीके से परिचित कराते हैं और साथ ही आपको एक अनूठे संडे स्कूल का अनुभव भी कराता है!

बाइबल कहानी

सभी सुरागों का खुलासा करने के बाद और विद्यार्थियों को यह बताने के बाद कि इस हफ्ते की बाइबल कहानी कौन सी है, अब समय आ गया कि आप उस कहानी को उसी प्रकार से सुनाएं जैसा कि सामान्य संडे स्कूल कक्षाओं में होता है। आप दिए गये आयतों की मदद से बाइबल कहानी को देख सकते हैं, या आप अध्यापकों की पुस्तक की सहायता से उस कहानी को कह सकते हो। अगर आप कहानी बोलने के लिए अध्यापकों की पुस्तक का चुनाव करते हो, तो अच्छा होगा कि आपके पास अपनी बाइबल भी हो और उस कहानी को पहले से ही खोलकर रख लें। हर हफ्ते उस कहानी में से एक चित्र या कार्टून दिया जाएगा, जिसमें कई बार उस कहानी का नायक होगा और कई बार उस कहानी का खलनायक। दाउद और गोलियत की कहानी में, जो चित्र आपको अपने विद्यार्थियों को दिखानी है, वह गोलियत की है।

बाबइल पात्र कार्ड का इस्तेमाल करें जो इसलिए दिया गया है कि प्रत्येक बच्चे को एक एक दिया जाएं। इन्हें उपस्थिति कार्ड के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है या वे इसका उपयोग "अंदाजा लगाओ" खेल को खेलने में भी कर सकते हैं। इस खेल को खेलने के निर्देश इस "कैसे इस्तेमाल करें" भाग के अंत में दिया गया है।

अमलीकरण

पाठ के बाद, जीवन में इसके अमलीकरण के बारे में बातें करें। दाउद और गोलियत की कहानी में से अमलीकरण यह है कि *"यद्यपि मैं काफी छोटा हूं फिर भी बहुत बड़े काम कर सकता हूं।"* अपने विद्यार्थियों से बातें करें कि किस तरह से परमेश्वर ने दाउद को बड़े काम करने के लिए इस्तेमाल किया, यद्यपि वह छोटा बालक ही था, और यह भी बताएं कि किस तरह से परमेश्वर उन्हें भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

याद करने की आयत

हर हफ्ते के लिए याद करने की आयत जीवन में अमलीकरण से संबंधित ही चुना गया है। कुछ समय लेकर उस बाइबल आयत को याद करने में आपके विद्यार्थियों की मदद करें।

अमलीकरण

अमलीकरण

हर हफ्ते आपके विद्यार्थियों को अमल में लाने के लिए एक गृहकार्य दिया गया है जो उन्हें उस हफ्ते के दौरान करना होगा। यह इस पाठ्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण भाग है! परमेश्वर हमसे चाहता है कि हम केवल वचन के सुननेवाले न रहें बल्कि माननेवाले भी बनें! यह काफी महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी जो कुछ कलीसिया में सीखते हैं, उन्हें वे जी भी रहे हों। बाइबल की आयतों और उपदेशों को मात्र याद करके बच्चों को केवल फरीसी बनने की अनुमति न दें, अगर सप्ताह के दौरान वे उन पाठों में से किसी एक की तरह जीवन न बिताते हो। हम "कपटियों" को निर्मित करने की गलती करना नहीं चाहते! केवल एक ही तरीका जिसके द्वारा आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि आप अपने विद्यार्थियों को कपटी बनने के लिए उत्साहित नहीं कर रहे हो, वह यह है कि आप उनसे उस हफ्ते के दौरान उस सीखे गये पाठ के अनुसार अपने जीवन को बिताने की आवश्यकता पर जोर दें।

परमेश्वर का डीएनए

परमेश्वर का डीएनए कक्षा का वह भाग है जहां पर हम उस बाइबल कहानी के आधार पर परमेश्वर के बारे में कुछ सीखते है कि वह कौन है। उदारहण के लिए, दाउद और गोलियत के पाठ में, हम परमेश्वर के बारे में सीखते हैं कि वह अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए लोगों का उपयोग करता है।

मस्ती का समय!

खेल

खेल आपकी कक्षा का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि यह आपके विद्यार्थियों को वापस आते रहने को उत्साहित करता है! बच्चे, खेल को काफी पसंद करते हैं, और अगर आप हर कक्षा में एक खेल को शामिल करते हो तो आप देखेंगे कि आपकी कक्षा हर हफ्ते बढ़ती ही जाएगी। जितना अधिक बच्चे आपकी कक्षा में उपस्थित होंगे, उतना ही अधिक जीवन आप बदल रहे होंगे!

चर्चा

हर हफ्ते हमने आपको तीन चर्चा प्रश्नों को प्रदान किया है जिनसे कि आप अपने विद्यार्थियों को एक चुनौतीपूर्ण चर्चा में व्यस्त रख सके। अपनी चर्चा को सही अगुवाई देने का उत्तम तरीका यह है कि आप अपने विद्यार्थियों को कोई जवाब प्रदान न करें, बल्कि उन्हें अनुमति दें कि वे हर प्रश्न पर वास्तव में खुलकर बातें करें। जितना अधिक वे चर्चा करेंगे, उतना ही अधिक आप अच्छा कर रहे हो! इसलिए, एक महान चर्चा को चलते रहने दो और तब आप वास्तव में अपने विद्यार्थियों के विचारों को देख पाने में सक्षम बन पाओगे। हमने अध्यापकों की पुस्तक में उन उत्तरों को दिया है ताकि एक प्रश्न की चर्चा के अंत में, आप अपने विचार भी उनके साथ बांट सको।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर

इस कार्यक्रम में विद्यार्थी पन्ने भी दिए गये हैं जिन्हें आप अपनी कक्षा में एक क्रियाकलाप के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को रंग भरना और शब्द खोज को सुलझाना काफी अच्छा लगता है, और हम आशा करते हैं कि आप हमारे विद्यार्थी पुस्तक को अपनी कक्षा को और अधिक मनोरंजक बनाने के लिए उपयोग कर सकते हैं। इस भाग में, आप उन पहेलियों के जवाब को पाएंगे जो कि चार अलग अलग उम्र वर्ग के विद्यार्थी पुस्तक में दिए गये हैं।

लूकास का प्रयोग

आपकी कक्षा का अंतिम क्रियाकलाप एक दिलचस्प वैज्ञानिक डॉक्टर लूकास के साथ एक विज्ञान आधारित प्रयोग होगा! हर हफ्ते वह आपको एक विज्ञान से जुड़ा प्रयोग बताता है जिसे कि आप अपनी कक्षा में एक क्रियाकलाप के रूप में कर सकते हैं। आप उनके वीडियों को मिलकर देख सकते हैं या स्वयं भी वे प्रयोग कर सकते हैं, जैसा कि आप इस तस्वीर में देख सकते हो जिसमें कि एक अध्यापक अपनी लैबोरेटरी (प्रयोगशाला) जैकेट के साथ एक प्रयोग कर रही हैं।

"अंदाज़ा लगाओ" खेल

आपकी कक्षा में सबसे अंतिम वैकल्पिक क्रियाकलाप एक खेल हो सकता है जिसे कि आप बाइबल पात्र कार्ड के साथ खेल सकते हैं जिसे “अंदाज़ा लगाओ” खेल कहते हैं। यह एक पारंपरिक बोर्ड खेल है जो पार्टनर या साथियों के साथ खेला जाता है, या दो बच्चों के साथ जो एक दूसरे के विरूद्ध खेल सकते हैं।

प्रत्येक बच्चे के लिए उन सभी 13 कार्डों को प्रिंट करें। शिक्षक के पास उन सभी कार्डों का पूरा समूह होना चाहिए। इस खेल को खेलते हुए आपके विद्यार्थी बाइबल के इन पात्रों से अधिक परिचित होते जाएंगे।

गत्ते या किसी मोटे पन्ने के एक टुकड़े को इस तरह से मोड़ें कि यह उन कार्डों को थाम सके। इस खेल में यह अंदाज़ा लगाना होगा कि आपके अध्यापक या आपके पार्टनर के पास बाइबल का कौन सा पात्र है। खेल की शुरूआत प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा एक बाइबल पात्र को चुनने के साथ करें, और इसे अपने पार्टनर से गुप्त रखें।

बाइबल पात्रों के विभिन्न गुणों को देखें जिसमें उनकी आंखों का रंग, उनके बालों का रंग, या यदि उनकी दाढ़ी की बनावट, कोई टोपी या हैट पहनी हो, उनकी नाक या कान का आकार, या वह कोई पुरूष है या कोई स्त्री, आदि शामिल है। पहला खिलाड़ी एक प्रश्न पूछते हुए आरंभ करता है और दूसरे खिलाड़ी को केवल "हाँ" या "ना" में ही जवाब देना होगा। हर बारी में केवल एक ही प्रश्न पूछने की अनुमति होगी। एक बार जब आप एक जवाब पा लेते हैं, तो आप उन कार्डों को नीचे रख सकते हैं जिनमें वह पूछी गई बात नहीं होगी। उदाहरण के लिए, अगर आप पूछते हैं कि यह एक स्त्री है, और आपका साथी "ना" कहता है, तो आप सभी स्त्री वाले कार्ड को नीचे रख देंगे। प्रश्नों को तब तक पूछते रहें जब तक कि आपको यह नहीं पता चलता कि वह रहस्यमयी बाइबल पात्र या व्यक्ति कौन है!

इस कार्यक्रम में तीन यूनिटों की सामग्रियां सम्मिलित की गई है जो कि 9 महीने तक कक्षाओं में उपयोग की जाएंगी। यहां पर बाइबल पात्रों के 3 अलग अलग समूह दिए गये हैं जिनके साथ साल के ख़त्म होते होते मिलकर खेला जा सकता है और इस प्रकार कुल मिलाकर 39 बाइबल पात्र होंगे।

-- [मामला 1] --

सुराग!((पाठ 1)

सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 1)

गहरे आघात का मामला

सुराग # 2 नाटक (पाठ 1)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

सैनिक : प्रिये, जो आज मेरे साथ हुआ उस पर तुम विश्वास नहीं करोगी। मैं बड़ी मुश्किल से ही जिंदा बाहर निकल पाया हूं!

पत्नी: मैंने पहले से ही आपको वहां जाने के लिए मना किया था, लेकिन आपने मेरी बात नहीं सुनी।

सैनिक : हां, तुमने बिल्कुल ठीक कहा था, लेकिन मेरी जान, तुम वहां पर नहीं थी, तुम्हें कभी नहीं पता चल पाता कि क्या होने वाला था।

पत्नी: मेरे पिता की तलवार कहाँ है?

सैनिक : (फुसफुसाते हुए) मैंने उसे एपेसदम्मीम की छावनी में छोड़ दिया है।

पत्नी: खैर, अब काफी समय हो चुका है, तुम अब शारैम के रास्ते से जा कर उस तलवार को वापस लेकर आ जाओ।

सैनिक : मैं ऐसा नहीं कर सकता। वे मुझे मार डालेंगे।

पत्नी: अच्छा, अगर तुम ऐसा नहीं करते तो यहां पर भी तुम्हारे साथ कुछ अच्छा नहीं होने वाला।

सैनिक : मैं जानता हूं कि तुम अभी बहुत गुस्से में हो, लेकिन मैं अभी तुम्हारे पिता की तलवार लेने के लिए वहां नहीं जाऊंगा।

पत्नी: (उदासी से) अगर तुम्हें इतना ही डर लग रहा है तो क्यों ना तुम अपने साथ अपने बड़े भाई या किसी अन्य को लेकर जाते जो उसका भाई हो।

सैनिक: मैं ऐसा भी नहीं कर सकता। उसका भाई भी मर चुका है। हम उसे खो चुके हैं।

पत्नी: (मिश्रण का कटोरा टूट जाता और रोटी का पूरा आटा नीचे गिर जाता है और सारे फर्श पर फैल जाता है) ओह, क्या हुआ?

सैनिक : मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि यह काफी विचित्र था। हम एपेसदम्मीम में छावनी डाले हुए थे जिसे तुम सोको के नाम से जानती हो। हमने उन्हें एक महीने तक कोने में दबाए रखा और भीम का बड़ा भाई हर दिन उनके पास बाहर निकलता और उन्हें लड़ने के लिए चुनौती देता और साथ ही साथ उनका बहुत बुरी तरह से अपमान भी करता था। वह रोज उनका मजाक उड़ाता था। यह इतना मजेदार था कि हमने अपने कवच और हथियार को भी बगल में रख दिए थे और केवल बाहर जाते और उन लोगों को बेवकूफ बनते हुए देखकर मजा उठाया करते थे। मैंने तुम्हारे पिता की तलवार को उस तंबू में ही छोड़ दिया ताकि मैं कहीं इसे खो ना दूं।

पत्नी: तंबू में? उस तंबू के बारे में बात कर रहे हो, क्या तुम उसे वापस लेकर नहीं आए?

सैनिक : प्रिये, किसी के पास अब कोई तंबू बाकी नहीं बचा और ना ही कोई तलवार ही बची है। केवल में ही किस्मतवाला था कि मैं जितना तेज हो सका वहां से भाग निकला। तुम्हें केवल खुश होना चाहिए कि मैं किसी तरीके से घर पहुंच सका, जबकि कई अन्य सैनिक ऐसा नहीं कर पाए हैं।

पत्नी: खैर, घर में आपका स्वागत है! हम किसी तरह काम चला लेंगे। मुझे तुम्हारी बहुत याद आती थी।

सैनिक : मुझे भी तुम्हारी बहुत याद आती थी।

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 1)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें:
पांच पत्थर

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 1)

गत शहर के खँडहर के आधुनिक समय में ली गई एक तस्वीर। आज यह तेल ज़फित राष्ट्रीय पार्क के अंदर स्थित है। (गोपनीय : गोलियत का घर, फिलिस्तीन शहर)

5 सुराग # 5 बाइबल दृश्य (पाठ 1)

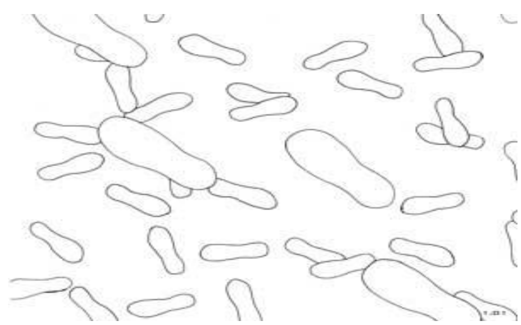

गोपनीय: गोलियत के लिए बड़े पदचिन्ह और सैनिकों के लिए छोटे पदचिन्ह।

मामला सुलझ गया मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया! (पाठ 1)

बाइबल कहानी (पाठ 1)

दाऊद और गोलियत

बाइबल में से : 1 शमूएल 17:1-53

युद्ध के मैदान में इस्राएलियों और फिलिस्तीनियों के बीच खड़े होकर, दाऊद इस बात को अच्छी तरह जानता था कि वह इस युद्ध को जीत सकता है| परमेश्वर उसकी ओर होने के कारण इस युद्ध को वह नहीं हारेगा, जबकि वह अन्य सैनिकों के डर को महसूस कर सकता था जब वह वहां खड़े होकर उस 9 फुट लंबे दानव को उसकी ओर हमला करते हुए देख रहा था। गोलियत एक बहुत बड़ा दानव था और वह लगातार इस्राएलियों का मजाक उड़ा रहा था। कोई भी इस फिलिस्तीनी सैनिक से नहीं लड़ना चाहता था।

दाऊद अभी एक सैनिक बनने लायक इतना बड़ा नहीं हुआ था; वह तो एक जवान चरवाहा था लेकिन वह काफी बहादुर था। अपने इस छोटी सी उम्र में ही उसने एक शेर और एक भालू को बिना किसी हथियार के केवल एक लाठी से मार गिराया था। फिर भी इस लड़ाई में भी परमेश्वर दाऊद की ओर था। वह जानता था कि परमेश्वर के नाम से आने के कारण वह कभी भी इस युद्ध में नहीं हारेगा।

पांच चिकने पत्थरों को उठाने के बाद, उसने एक पत्थर को अपने गोफन में रखा। गोलियत का बड़ा भारी भरकम शरीर धीरे-धीरे दाऊद के नजदीक आ रहा था। इस बात को जानते हुए कि उसे सही समय तक इंतजार करना चाहिए, इसलिए उसने अपने गोफन को घुमाना शुरु कर दिया। वह गोफन धीरे-धीरे बहुत तेजी से चारों ओर घूमने लगा। सही समय पर उसने उस पत्थर को गोफन में से छोड़ा और वह उड़ता हुआ सीधे अपने लक्ष्य पर जा लगा, जोकि गोलियत की दोनों आंखों के बीच का स्थान था। गोलियत तुरंत नीचे जमीन पर गिर पड़ा और मर गया। समस्त फिलिस्तीनी सेना ने जब देखा कि उनका नायक मर चुका है तो वे वहां से भाग खड़े हुए।

अमलीकरण (पाठ 1)

यद्यपि मैं काफी छोटा हूं फिर भी बहुत बड़े काम कर सकता हूं।

याद करने की आयत (पाठ 1)

" क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।" - यिर्मयाह 29:11

गृह कार्य (पाठ 1)

इस हफ्ते कोई एक ऐसा काम करो जो आमतौर पर आपका कार्य ना हो, जैसे कि हर दिन बर्तन साफ करना, या अपने माता पिता के लिए कोई ऐसा कार्य करना जो कि आपका नियमित उत्तरदायित्व ना हो। ऐसा करते समय देखें कि किस प्रकार परमेश्वर आपको बड़े काम करने में सहायता करता है।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 1)

इस अध्याय में से हम परमेश्वर के विषय में क्या सीखते हैं? परमेश्वर लोगों को अपनी योजना को पूरी करने में इस्तेमाल करते हैं।

मस्ती का समय! (पाठ 2)

खेल (पाठ 1)

परछाई टैग

यह खेल अन्य टैग खेलों की तरह ही खेला जाता है जहां पर शिक्षक कुछ बच्चों को “परछाई” होने के लिए चुनते हैं और वे दूसरे बच्चों के पीछे भाग कर दूसरे बच्चों के साथ टैग बनाते हैं। इस संस्करण में, “परछाई” खिलाड़ी, दूसरे खिलाड़ियों को छूने की बजाए, अपनी छाया के द्वारा उन पर खड़े होकर टैग बनाते हैं।

चर्चा (पाठ 1)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 अगर आप जानते कि आपके साथ भविष्य में क्या होने वाला है तो यह उस बात को किस प्रकार से बदल देता जो आप करते हो?

कुछ समय निकाल कर एक लॉटरी टिकट खरीदने के विषय में, या स्टाइलिश कपड़ों को खरीदने या हादसों से बचने के विषय में चर्चा करें। फिर इस विचार से परिचित करें कि

परमेश्वर किस प्रकार अप्रत्याशित रूप में कार्य करता है और अतीत में परमेश्वर ने जो काम किए उसे देखते हुए हम किस प्रकार जान सकते हैं कि आगे परमेश्वर क्या करना चाहता है। विश्वास का एक भाग यह है कि इस बात को जानना कि परमेश्वर अगला क्या करने जा रहे हैं और हमें उस बात में उसके साथ भागीदारी करना। " यहोवा जिसने मुझे सिंह और भालू दोनों के पंजे से बचाया है, वह मुझे उस पलिश्ती के हाथ से भी बचाएगा।"- 1 शमूएल 17:37

2 दाऊद ने गोलियत को मारने से पहले उसका मजाक उड़ाया, दाऊद के लिए गोलियत का मजाक उड़ाना क्यों सही था? दूसरे किसी का मजाक उड़ाना आपके लिए कब सही बनता है?

यह एक तरकीब से भरा प्रश्न है, दाऊद का गोलियत का मजाक उड़ाना किसी भी तरह से स्वीकार योग्य नहीं है, लेकिन, यह इस कहानी का एक भाग है। यह उसके विश्वास को प्रदर्शित करता है।

3 दाऊद को उस दानव को मारने का अवसर तब मिला जब वह अपने भाइयों की सेवा कर रहा था? किस प्रकार अगुवाई और सेवकाई एक दूसरे से जुड़े हुए हैं?

हालांकि अगुवाई और सेवकाई एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं; लेकिन एक दास नेतृत्व भी होता है जो अगवाई और सेवकाई को बिल्कुल एक समान बना देता है। जब आप सेवा करते हैं, तब आप अवसरों को देख सकते हैं:; और जब आप उन अवसरों का लाभ उठाकर कार्य करते हो, तो यह एक प्रकार का नेतृत्व होता है।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 1)

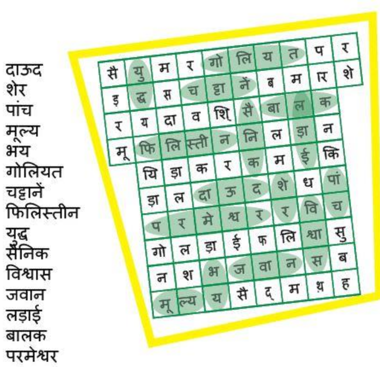

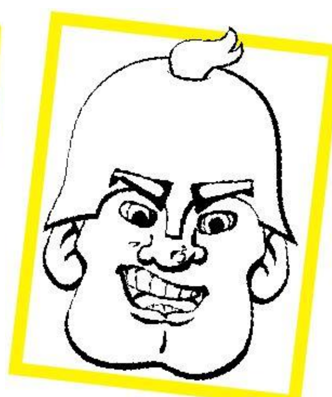

लूकास का प्रयोग (पाठ 1)

एक बर्तन में एक चौथाई कप पानी को एक चौथाई कप विनेगर के साथ मिलाओ, और उसमें एक चौथाई कप बेकिंग सोडा मिलाओ। आप देखेंगे कि उस मिश्रण में से बुलबुले निकल रहे हैं, और उस बर्तन को कार्बन डाइऑक्साइड से भर रहे हैं, जोकि हवा से भारी होता है। उस कार्बन डाइऑक्साइड को (तरल पदार्थ को नहीं) एक जलती हुई मोमबत्ती के ऊपर उन्डेलें और वह मोमबत्ती तुरंत बुझ जाएगी। (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)

https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1291835197519527/

--[मामला 2]--

सुराग!((पाठ 2)

सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 2)

लापता लाश का मामला

सुराग # 2 नाटक (पाठ 2)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

जासूस: उन पदचिन्हों की एक तस्वीर ले आओ, यह शायद पंक्ति संख्या 5 में होंगे।

विशेषज्ञ : ठीक है मेरे पास यहां पर पुरुषों के पैरों के प्रिंट है। ऐसा लगता है कि वे भाग रहे थे।

जासूस: साथ ही हमारे पास यहां पर जूतों के निशान भी है जिसे देख कर ऐसा लगता है कि वे वहां खड़े होकर रखवाली कर रहे थे, देखो कि वे कितना धूल उड़ा रहे थे।

विशेषज्ञ: वे काफी छोटे दिख रहे हैं। वे कुल मिलाकर दो स्त्रियां रही होंगी, शायद तीन, जो मध्यम आकार के होंगे।

जासूस: (दूसरे प्रिंट को देखते हुए और उस पर ध्यान लगाते हुए) इसके बारे में क्या सोचते हो, यह निशान काफी बड़ा दिखाई देता है। यह यहां से शुरु होकर (आसपास देखते हुए) वहां तक (आसपास देखते हुए) फैला हुआ है???

विशेषज्ञ: सच में? (अपनी आंखों को कैमरा से हटाते हुए)

जासूस: मैंने तुमसे इस क्राइम सीन को बिगाड़ने के विषय में क्या कहा था?

विशेषज्ञ: (सर झुकाते हुए) कि अगर मैं ऐसा फिर से करूंगा तो आप मुझे नौकरी से निकाल देंगे।

जासूस: तुमने यहां कुछ बिगाड़ा तो नहीं है?

विशेषज्ञ: बिल्कुल नहीं!

जासूस: अपने दिमाग पर जोर डालो, क्या तुम यहां चले तो नहीं थे, यहां पर देखो, यह तुमने यहां की मिट्टी हटाने के बारे में तो सोचा नहीं था?

विशेषज्ञ: बिल्कुल नहीं, मैं कसम खाता हूं!

जासूस: अगर तुम यहां पर नहीं आए और ना मैं यहां पर पहले आया, तो यहां पर पैरों के निशान की इतनी बड़ी पंक्ति कहां से आई (उन बड़े पदचिन्हों की ओर इशारा करते हुए) जिसने केवल एक ही स्थान पर छुआ और किसी स्थान पर वह निशान नहीं है?
विशेषज्ञ: ऐसा लगता है कि वे स्त्रियां अपने साथ कुछ उठाए हुए चल रही थी।
जासूस: हां, लेकिन कुछ ऐसा नहीं जो इतना बड़ा हो, बल्कि वे तो केवल कुछ छोटी चीजों को ही उठाकर चल रही थी जैसे कि बोतल या कपड़े।
विशेषज्ञ: लेकिन वह भागते हुए पुरुष अपने साथ इतनी बड़ी कोई भी चीज लेकर नहीं भागे होंगे।
जासूस: मैं इसे नहीं समझ पा रहा। मेरे पास नंगे पैरों की जोड़ी के पदचिन्ह है जो गुफा में से बाहर तो निकले लेकिन वापस उसके अंदर नहीं गए। उन भागते हुए पुरुषों के पैरों के निशान, जूतों की जोड़ी के निशान, फिर उसके बाद उन बड़े पैरों के निशान जो पता नहीं कहां से यहाँ पर आया और उस बड़े चट्टान के ऊपर चला गया।
विशेषज्ञ: ऐसा लगता है कि कोई भूकंप रात को वहां पर आया होगा। फिर भी बगीचा बिल्कुल सही सलामत दिख रहा है।
जासूस: तुमने अभी अभी क्या कहा?
विशेषज्ञ: कि बगीचा बिल्कुल सही सलामत दिख रहा है...
जासूस: नहीं, उससे पहले...

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 2)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: अलार्म घड़ी

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 2)

“फूलमाला के साथ ची रोह की तस्वीर” काताकोम्ब्स में पाए गए जहाँ पर कई गोपनीय संकेत पाए जाते हैं। (सरसा 350)
(गोपनीय: यह पुनरुथान के विजय को दर्शाता है, और यह रोमी सैनिक के ऊपर दिखाया गया है।)

5 **सुराग # 5 बाइबल दृश्य (पाठ 2)**

गोपनीय: मरियम मगदलीनी द्वारा उंडेला गया सुगंधद्रव्य, रखवालों के पास से पैसे, माली और माली की टोपी, क्योंकि मरियम ने सोचा कि वह माली था।

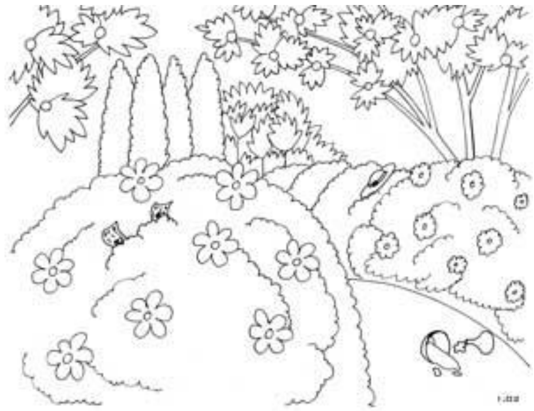

मामला सुलझ गया! (पाठ 2)

बाइबल कहानी (पाठ 2)

मसीह का पुनरुत्थान

बाइबल में से : मत्ती 28: यूहन्ना 20:6-9

शिष्य को आश्चर्य में डालते हुए, जो कुछ यीशु ने उन्हें चेतावनी के रूप में पहले से कहा था, वह ठीक वैसा ही पूरा हुआ! यीशु को पकड़वाया गया, सताया गया और फिर एक क्रूस पर उसे टांग दिया गया। 3 दिनों के बाद, भोर के समय मुख्य याजकों ने रखवालों के साथ एक गुप्त सभा की। उन रखवालों ने बताया था कि रात को वहां पर एक जबरदस्त भूकंप आया था। परमेश्वर का एक स्वर्गदूत नीचे उतरा और उस कब्र के पत्थर को लुढ़का दिया और अब वह स्वयं उस पर बैठा हुआ था। उसके बर्फ के समान श्वेत कपड़ों पर से बिजलियां निकलती हुई लग रही थी। साथ ही, उन्होंने इस बात को भी बताया कि वह इसे देखकर कितने डर गए थे और कांपते हुए जमीन पर बेहोश होकर गिर पड़े थे। यह सुनकर महायाजक एक योजना के साथ उनके पास आया था। उसने उन रखवालों को एक बहुत बड़ी रकम रिश्वत दी और उनसे यह कहते हुए झूठ बोलने को कहा, "उसके चेले रात को चुपके से आए और जब हम सो रहे थे, तब उसके शव को चुरा कर ले गए।" साथ ही याजकों ने उन्हें अपनी सुरक्षा देने का आश्वासन भी दिया अगर वहां के हाकिम को इसके बारे में कुछ पता चल जाता, और वे मुश्किल में पड़ जाते।

जब दोनों मरियम उस कब्र के पास पहुंचे, तब स्वर्गदूत ने उन स्त्रियों से कहा, " डरो मत, क्योंकि मैं जानता हूं कि तुम यीशु को ढूंढ रहे हो जिसे क्रूस पर चढ़ाया गया था, लेकिन अब वह यहां नहीं है; वह

जी उठा है जैसा कि उसने पहले ही कहा था। आओ और उस स्थान को देखो जहां पर उसे रखा गया था। और शीघ्र ही जाकर उसके शिष्यों से कहो: "वह मुर्दों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले गलील की ओर जाएगा। तुम उसे वहां पर देख सकते हो।" वे स्त्रियां तुरंत वहां से दूसरों को बताने के लिए भाग कर गई, तब यीशु उनके सामने प्रकट हुआ और उनसे कहा, "सलाम, डरो मत। जाओ और मेरे भाइयों से कहो कि वे गलील की ओर जाए; वहां पर वे मुझे देख पाएंगे।"

पतरस और यूहन्ना अपनी आंखों से यह देखना चाहते थे इसलिए वे भागते हुए कब्र की ओर गए। जब उन्होंने अंदर देखा तब वहां पर कपड़े और चादर को छोड़ और कुछ नहीं पाया जो सलीके से रखे हुए थे। जब उन्होंने इस प्रमाण को देखा तब उन्होंने विश्वास किया और जान गए कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है!

अमलीकरण (पाठ 2)

परमेश्वर तब भी विश्वास योग्य है जब मुझे ऐसा महसूस होता है कि सब कुछ खत्म हो गया है।

याद करने की आयत (पाठ 2)

"परमेश्वर सच्चा है; जिस ने तुम को अपने पुत्र हमारे प्रभु यीशु मसीह की संगति में बुलाया है।" 1 कुरन्थियो 1:9

गृह कार्य (पाठ 2)

किसी से उस एक समय के विषय में बताएं जब ऐसा लग रहा था कि सब कुछ आपके साथ बुरा हो रहा था लेकिन यह बाद में आपके लिए अच्छा ही साबित हुआ। परमेश्वर ने इसके माध्यम से आपको महत्वपूर्ण चीजें सिखाई।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 2)

इस अध्याय में से हम परमेश्वर के बारे में क्या सीखते हैं? परमेश्वर चाहते हैं कि लोग यीशु को जानें और यह भी कि वह इस दुनिया में क्यों आया।

मस्ती का समय! (पाठ 2)

खेल (पाठ 2)

कक्षा में बैलून फुटबॉल

समूह को दो टीमों में बांटे, उन्हें कुर्सियों या जमीन पर दो पंक्तियों में बैठाएं, और उनके बीच में लगभग 1 मीटर की दूरी हो, खिलाड़ियों को हर टीम में अलग अलग दिशा में बैठाएं। दोनों छोर पर टीमों के लिए गोल पोस्ट का निशान लगाएं। अगुवा एक गुब्बारे को उनके बीच में उछाल कर खेल की शुरुआत करता

है। खिलाड़ियों को पूरे समय अपने स्थान पर बैठे रहना होता है। इस खेल का उद्देश्य है कि किसी तरह उस गुब्बारे को जमीन पर ही धीरे-धीरे सरकाते हुए गोल दागना होगा। जैसे कि फुटबॉल मैच में होता है, जब गुब्बारा सीमा रेखा से बाहर चला जाए, तब अगुवा अन्य टीम को अंक प्रदान करता है और वह वापस गुब्बारे को खेल के लिए मैदान में रखता है।

चर्चा (पाठ 2)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 चेले इसलिए छिप कर बैठे थे क्योंकि उन्होंने मसीह की मृत्यु का गलत मतलब निकाला था। आपको कैसा लगता है जब दूसरे लोग परमेश्वर के वचन का गलत मतलब निकालते हैं? आप कैसे जानते हो कि आपने बाइबल को सही रूप में समझा है कि नहीं?

अपने शिक्षकों या अधिकारी से मदद मांगे ताकि आप बाइबल को सही तरह से समझ सके। इस बात को सुनिश्चित करें कि बाइबल के इस पद्यांश के विषय में मेरी समझ बाइबल के अन्य पद्यांश के स्पष्ट अर्थ के साथ मेल खाता है कि नहीं।

2 उन रखवालों पर यह दबाव डाला गया था कि वे लोगों को यह ना बताएं जो परमेश्वर ने वहां पर किया था। आप इस तरह के कौन से दबाव का सामना करते हैं जब आप दूसरों को परमेश्वर के विषय में बताने के बारे में सोचते हो?

बच्चों को उन सभी दबावों के विषय में चर्चा करने दो जो उनके दोस्त उन पर अधिक अच्छे या अधिक धार्मिक ना बनने के लिए डालते हैं, इसे तब तक जारी रखें जब तक कि बच्चे इसमें रुचि लेते रहे और जब तक कि वह सामान्य उत्तरों को बार-बार देने लगे। आंतरिक दबाव के विषय में चर्चा करें जब हम स्वार्थी होने के लिए महसूस करते हैं और अपने आप को खुश करने की इच्छा रखते हैं। बेकार गतिविधियों को चुनना काफी आसान होता है जो अच्छे या स्वस्थ दिख सकते हैं लेकिन बाद में वे खतरनाक बन जाते हैं। पारिवारिक दबाव को कभी अनदेखा ना करें। रिश्तेदार आपसे कहेंगे कि यीशु के बारे में बातें ना करें और शायद वे आप पर उनके धार्मिक समारोहों में भाग लेने का भी दबाव डालेंगे। इन तमाम दबावों के बीच एक संतुलन होता है, हमारे आसपास के लोगों से प्रेम करने के लिए हमें कहीं बाहर अपने आप का इंकार करने और दूसरों को आदर देने की जरूरत हो सकती है, लेकिन उसी समय परमेश्वर उसके प्रति वफादार रहने के लिए भी हमसे कहता है।

3 परमेश्वर ने उन स्त्रियों को चुना कि वे जाकर शिष्यों को एक संदेश पहुंचाए। क्या होता अगर उन शिष्यों ने उन स्त्रियों की बात नहीं सुनी होती? हम किस तरह से यकीन कर सकते हैं कि हम परमेश्वर के उस संदेश से वंचित नहीं रहेंगे जो वह अन्य लोगों को देता है?

बच्चों को कलीसिया में स्त्रियों के विषय में एक विवादास्पद चर्चा का इस्तेमाल करते हुए अपनी बात करने दें। कुछ समय के लिए अपने आप को कलीसिया में एक स्त्री के स्थान पर रखते हुए बात करने दें और उसके बाद इफिसियों 4 और पहला 1 कुरिन्थियों 12 और उन्हें वहां ले जाए जहां परमेश्वर ने स्पष्ट

रुप से कहा है कि उसने विभिन्न लोगों को विभिन्न वरदान दिए हैं और अगर हम किसी की बात को सुनना रोक देते हैं तो शायद हम उस अवसर को खो सकते हैं जब परमेश्वर उनके द्वारा हमें कोई संदेश देना चाहता था।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 2)

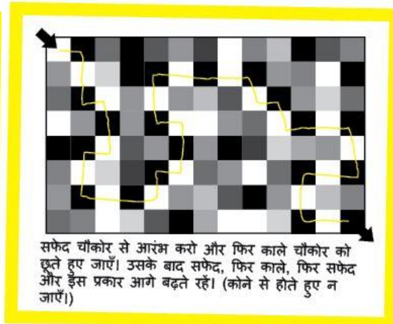

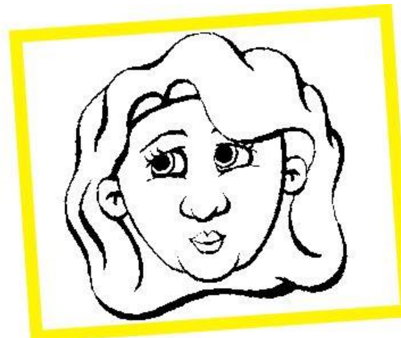

लूकास का प्रयोग (पाठ 2)

बच्चों को 3 छुपे हुए वस्तुओं को ढूंढने को कहें: एक वस्तु ऐसी जो छुपी हुई हो और जिसे ढूंढा जा सके; एक ऐसी वस्तु जो छुपी हुई हो लेकिन उसे ढूंढा ना जा सके; और एक ऐसी वस्तु जो छुपी हुई है लेकिन अपने आप उस जगह से हट जाए। एक मनोरंजक क्रियाकलाप के रूप में, अपनी कक्षा में कुछ चीजों को रखें ताकि बच्चे उन्हें ढूंढ सके। (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)
https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1291864664183247/

--[मामला 3]--

सुराग!((पाठ 3)

1 सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 3)

जहाज से बाहर फेंके गए एक व्यक्ति का मामला

2 सुराग # 2 नाटक (पाठ 3)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

कप्तान: मुझे एक रिपोर्ट लिखवानी है।

समुद्री सुरक्षा गार्ड: ठीक है, यह रहे वे मानक फॉर्म जिन पर ऐसी असामान्य घटनाओं का विवरण भरा जाता है, आपको कौन सा फॉर्म चाहिए?

कप्तान: डूबे हुए यात्री का फॉर्म।

सुरक्षा गार्ड: ठीक है, क्या आप उसकी लाश को बरामद कर पाए?

कप्तान: जी नहीं सर, हम नहीं कर पाए।

सुरक्षा गार्ड: उस समय मौसम कैसा था? क्या आप का जहाज उस आंधी की चपेट में आया तो नहीं था?

कप्तान: जी हां, उस तूफान ने हमारे जहाज को बहुत नुकसान पहुंचाया था।

सुरक्षा गार्ड: ठीक है, क्या आपके सामान का भी नुकसान हुआ है? अगर आपने अपने किसी सामान या अधिकारी को खोया है तो आपके लिए यह दूसरा फॉर्म है जो आपको भरना होगा।

कप्तान: वह एक यात्री था।

सुरक्षा गार्ड: ओह, तो ठीक है, आपको यह एक अन्य अतिरिक्त फॉर्म भी भरना होगा ताकि हम उस मृत व्यक्ति के परिवार वालों को खबर दे सके, क्या आप यकीन से कह सकते हैं कि वह मर गया है?

कप्तान: खैर सर, मुझे इस बारे में यकीन के साथ कुछ नहीं पता कि वह मर गया है कि नहीं?

सुरक्षा गार्ड: खैर, आपने उस व्यक्ति को उस समय समुद्र में खोया जब वहां तेज आंधी चल रही थी, सही है ना?

कप्तान: खैर, हां, लेकिन यह घटना लगभग उस तूफान के सामने से कुछ देर पहले की ही है।
सुरक्षा गार्ड: क्या आपने किसी को भेजकर उसे ढूंढने की कोशिश की?
कप्तान: खैर, हां, लेकिन वह हमें कहीं नहीं मिला.... वह कहीं खो गया था इसलिए हम उसे नहीं ढूंढ पाए...

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 3)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: मछली पकड़ने का कांटा

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 3)

वह वैभवशाली नगर नीनवे काफी बड़ा शहर था जिसकी जनसंख्या 150,000 से भी अधिक थी जिसमें कई सारे बड़े बड़े महल और मंदिर पाए जाते थे। उसकी दीवारें काफी बड़ी थी और चारों तरफ से से किलों से घिरा हुआ एक नगर था। यह आधुनिक तस्वीर उस पुराने नीनवे की दीवार को दिखाता है, जिस के कुछ भागों को पुनर्निर्मित किया गया है। (गोपनीय: नीनवे वह शहर था जहां परमेश्वर ने योना को भेजा था।)

5 सुराग # 5 पुरातत्व (पाठ 3)

बाइबल दृश्य (पाठ 3)

गोपनीय, एक जहाज पर, पासा क्योंकि नाव पर मौजूद लोगों ने “चिट्ठियां डाली” थी, तूफान भरे बादल गायब हो रहे हैं क्योंकि वह आंधी अब थम चुकी थी।

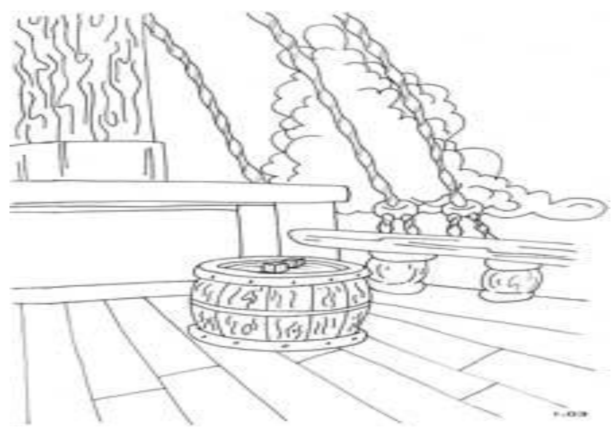

मामला सुलझ गया मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया (पाठ 3)

बाइबल कहानी (पाठ 3)

योना

बाइबल में से : योना 1

नीनवे शहर में रहने वाले लोग परमेश्वर की नज़र में बुरे काम कर रहे थे और परमेश्वर ने योना से वहां जाकर उन्हें चेतावनी देने को कहा। परमेश्वर पाप को रोकना चाहता था। आज्ञा मानने की बजाए, योना ने वहां से भाग जाने का निर्णय लिया और उसे एक जहाज मिला जो उसे नीनवे देश से दूर ले जा सकता था। जहाज के कर्मियों ने रात को दूर से एक आंधी को उठते देखा जो उनकी ओर तेजी से बढ़ रही थी और योना सोने के लिए चला गया। कुछ समय के बाद जब आंधी उस जहाज से टकराने लगी, तब उस जहाज के कप्तान ने योना को जगाया और उससे पूछने लगा कि इस भयानक आंधी के बीच में भी वह कैसे सो सकता है। जहाज के कर्मी इस बात को अच्छी तरह जानते थे कि जहाज डूबने वाला है और इसलिए वे यह जानना चाहते थे कि परमेश्वर ने ऐसी एक आंधी क्यों भेजी। चिट्ठी डालकर यह पता लगाना सबसे उत्तम तरीका था कि कौन इसके लिए जिम्मेदार था। और चिट्ठी योना के नाम पर निकली। वह यह जानना चाहते थे कि ऐसा क्यों हो रहा था, तब योना ने अपने पाप को स्वीकार किया और उनसे कहा कि वे उसे समुंदर में फेंक दें। जहाज के कर्मी ऐसी भयानक बात नहीं करना चाहते थे इसलिए वे किसी तरह से जहाज को किनारे पर लाने की कोशिश करते रहे। लेकिन आंधी और तेज होती गई और तब उन लोगों के पास केवल एक ही उपाय बाकी बच गया था कि योना को जहाज से नीचे फेंक दे। जैसे ही योना को जहाज से बाहर समुद्र में फेंक दिया गया, तुरंत आंधी थम गई और वह जहाज भी बच गया! लेकिन जैसे ही योना किनारे की ओर तैरना शुरु किया तुरंत एक बड़ी मछली वहां आई और उसे निगल गई। पूरे तीन दिन और तीन रात योना उस मछली के पेट में रहा और केवल एक ही काम वह वह कर सकता था: प्रार्थना। वह परमेश्वर से माफी मांगते हुए प्रार्थना करते रहा, और अपने पापों से मन फिराया और परमेश्वर से कहा कि जो कुछ वह उससे कहेगा, वही करेगा। परमेश्वर ने योना की प्रार्थना का जवाब दिया और उस बड़ी मछली ने योना को सूखी भूमि पर उगल दिया ।

अमलीकरण (पाठ 3)

जब मैं अपने पापों को देखता हूं तब तुरंत मुझे मन फिराना और उसे रोक देना चाहिए।

याद करने की आयत (पाठ 3)

" इसलिये, मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं, जिस से प्रभु के सम्मुख से विश्रान्ति के दिन आएं।" प्रेरितों के काम 3:19

गृह कार्य (पाठ 3)

इस हफ्ते किसी ऐसे गलत बात के विषय में अतिरिक्त संवेदनशील रहें जो आप कहते या करते हो, जिसके प्रति आप शर्मिंदा हो और सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं होना चाहते हो। पश्चाताप करें। परमेश्वर से सहायता मांगे कि वह आपको उसके बारे में पहले सोचना में मदद करें और ऐसे किसी पाप को दोबारा करने से पहले आप को रोक ले।

परमेश्वर का डीएनए

इस पाठ में से हमने परमेश्वर के विषय में क्या सीखा? परमेश्वर अपने लोगों को एक आसान जीवन देने से अधिक अपने लोगों से आज्ञाकारिता को चाहता है।

मस्ती का समय (पाठ 3)

खेल (पाठ 3)

मछली की पूंछ

बच्चों को एक पुरानी या इस्तेमाल की गई जुराब दें (धागा, तार, कागज या कपड़ा भी इस में काम करेगा) जोकि उस विद्यार्थी के पीछे वाले पॉकेट या बेल्ट में रखा जाएगा। इस खेल को इस प्रकार से खेलना है कि एक खिलाड़ी को अपनी "पूंछ" को खोए बिना दूसरे खिलाड़ी की "पूंछ" को पकड़ना या हथियाना होगा। जो खिलाड़ी अपनी पूंछ को खो देता है उसे बैठ जाना होगा, लेकिन अगर दूसरा खिलाड़ी उसके करीब से गुजरता है, तो वह "बिन पूंछ वाला खिलाडी" उस भागते खिलाड़ी के पूंछ को हथिया कर वापस उस खेल में प्रवेश कर सकता है।

चर्चा (पाठ 3)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 लूका 11:30 हमारा आह्वान करता है कि हम योना को यीशु के साथ तुलना करें, आप योना की कहानी और यीशु के बीच कितनी समानताओं को खोज सकते हो?

यह अभ्यास तब सबसे अच्छी तरह काम करता है अगर विद्यार्थी अपने स्वयं के विचार लेकर सामने आए| उन्हें योना की किताब में से पढ़ने के लिए उत्साहित किया जाए और उन सभी उत्तरों को स्वीकार किया जाए जिस में थोड़ा सा भी जुड़ाव शामिल हो। नीचे दी गई सूची में इस प्रकार के स्वीकारयोग्य समानताएं दी गई है:

- 3 दिन और रात कब्र में/ मछली
- परमेश्वर के वचन को लाना
- लंबी पैदल यात्रा/ यात्रा
- तूफान के समय भी एक नाव के निचले भाग में सोना
- आंधी को शांत करना
- मन फिराव का प्रचार करना
- वास्तविक हत्यारों द्वारा एक निर्दोष व्यक्ति की मृत्यु के प्रति अपने हाथों को धोना
- परमेश्वर की नजर से दूर किया जाना
- सूखती हुई दाख लता/ शहर के बाहर एक पेड़

2 निर्देशों को अनदेखा करना और उन्हें ना मानने के बीच क्या अंतर होता है?

एक तरफ, वह एक समान दिखते हैं क्योंकि उन दोनों का एक ही नतीजा होता है। किसी भी तरह से देख लें, मैंने उस कार्य को नहीं किया है जो मुझसे कहा गया था। लेकिन बाइबल में यह साफ दिखाई देता है कि परमेश्वर हमारे हृदय और मकसद को जानता और उन पर ध्यान देता है। लेकिन, कई बार हम अपने व्यवहार के लिए बहाने बनाते हैं, यह कहते हुए कि हमें हमारे कर्म के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए क्योंकि यही वह बात थी जो हम करना चाहते थे। इस विषय पर अधिक चर्चा करने के लिए अपने विद्यार्थियों को उत्साहित करें।

3 वह कौन सी बुरी बातें हैं जिन्हें माफ नहीं किया जा सकता?

अपने विद्यार्थियों के साथ उन तमाम बुरी बातों के विषय में चर्चा करें जैसे कि हत्या, छेड़खानी, दूसरों से झगड़ा करते रहना और अन्य ऐसे पाप जहां यह स्वभाविक लगा कि वह व्यक्ति अपने आप को सुधारने की कोशिश भी नहीं कर रहा था। उन लोगों के बारे में क्या जो छोटे बच्चों को नशीली दवाएं बेचते हैं? (योना नहीं चाहता था कि परमेश्वर नीनवे के लोगों को माफ करें, लेकिन परमेश्वर सब को माफ करने के लिए अति करुणामय है)

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 3)

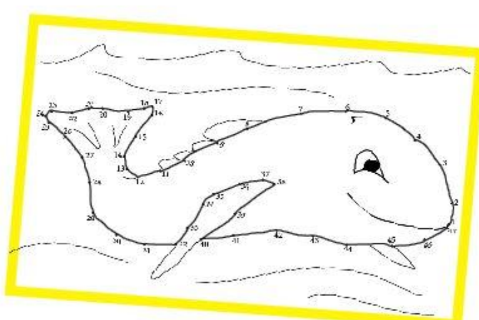

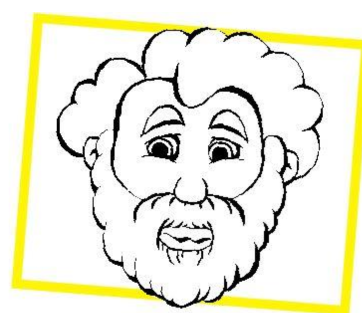

लूकास का प्रयोग (पाठ 3)

बच्चों को मार्शमैलो को काटकर उस पर एक पेड़ (टूथपिक) को चिपकाते हुए एक मार्शमैलो टापू बनाने को कहें और उसे पानी से भरे एक बड़े बर्तन में रखें जो समुद्र को दिखाता है। मार्शमैलो को एक साफ

कांच से ढकते हुए पूरी तरह पानी में डूबा दे। अधिक मनोरंजक बनाने के लिए, मछलियों और अन्य समुद्री चीजों के चित्र बनाएं जिसे टापू में से देखा जा सके। (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)

https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1291904010845979/

--[मामला 4]--

सुराग!((पाठ 4)

सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 4)

अज्ञात सहायक का मामला

सुराग #2 नाटक (पाठ 4)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

पुलिस: जरा सुनो, मेरे साथी और मैं आप से कुछ सवाल पूछना चाहते हैं।

पैदल यात्री: बिल्कुल ऑफिसर, आपको मुझसे क्या पूछना है?

पुलिस: हमें पिछली रात एक रिपोर्ट मिली जिस में बताया गया कि एक गाड़ी किसी को टक्कर मारकर भाग निकली।

पैदल यात्री: ओह सर, क्या आपको पता है कि मैं इसीलिए उन हाईवे पर कभी अकेले यात्रा करने की कोशिश नहीं करता। आप पुलिसवाले काफी कम स्थान पर ही होते हैं और यह हाईवे तो उन जैसे डाकुओं से भरी पड़ी है।

पुलिस: (अपने साथी को देखते हुए) मैंने डाकुओं के बारे में कुछ भी नहीं कहा, क्या तुमने कुछ कहा था?

पुलिस 2 : नहीं, मैंने कुछ नहीं कहा।

पुलिस 1 : तुम्हें कैसे पता कि वे डाकू ही थे? क्या तुम हमें बता सकते हो कि पिछली रात तुम कहां पर थे?

पैदल यात्री: (थोड़ा घबराते हुए) मैं अपने परिवार के पास उनसे मिलने के लिए शहर गया हुआ था और रात को ही मैं अपने घर वापस लौट आया था ताकि सुबह मैं अपने काम पर जा सकूं।

पुलिस: आहा, इसका मतलब पिछली रात तुम इस हाईवे पर ही थे?

पैदल यात्री: यस सर।

पुलिस: क्या तुमने यहां पर एक आदमी को, जो लगभग 180 सेंटीमीटर लंबा, मध्यम काठी, और गली के गुंडे से दिखने वाले एक व्यक्ति को देखा जिसे यहां सड़क के किनारे पीटा गया था?

पैदल यात्री: नहीं, या यह हो सकता है कि मैंने ऐसा कुछ देखा हो लेकिन अच्छी तरह उस पर ध्यान ना दिया हो।

पुलिस 2 : (अपने हाथों में नोटबुक लेता है और उस पर कुछ लिखता है)

पुलिस: तुमने उसे देखा नहीं या तुम उसे देखना नहीं चाहते थे ?

पैदल यात्री: देखो, मुझे तैयार होना है, मुझे अपने काम पर जाना है और मैं ऐसे किसी मामले में शामिल होना नहीं चाहता। क्या होगा अगर वे मुझे पूछताछ के लिए बुलाएंगे? किसको पता कि वह कितनी देर पूछताछ करेंगे और फिर वापस कितनी बार पूछताछ करेंगे।

पुलिस2: हा हा हा हा, वह मदद करना नहीं चाहता क्योंकि उसे पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है, हा हा हा, क्या मजाक है, तो क्या तुम्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया?

पैदल यात्री: कोई बात नहीं, वह इतना महत्वपूर्ण नहीं है।

पुलिस: बस मुझे यही सवाल पूछने थे। अगर मुझे जरूरत होगी तो क्या मैं आपको बुला सकता हूं?

पैदल यात्री: किसी भी समय, मुझे आपकी मदद करने में खुशी होगी।

पुलिस 2 : (पैदल यात्री को ओर अविश्वास भरी नजर से देखता है)

सुराग # 3 वस्तु (पाठ 4)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: बेंड ऐड (band aid)

सुराग 4 पुरातत्व (पाठ 4)

अस्पताल के आपातकालीन विभाग के दरवाजे के सामने पहुंचना, आज का कोई एक आधुनिक अस्पताल। (गोपनीय: अच्छा सामरी उस घायल व्यक्ति को किस अस्पताल में सहायता के लिए भेजता)

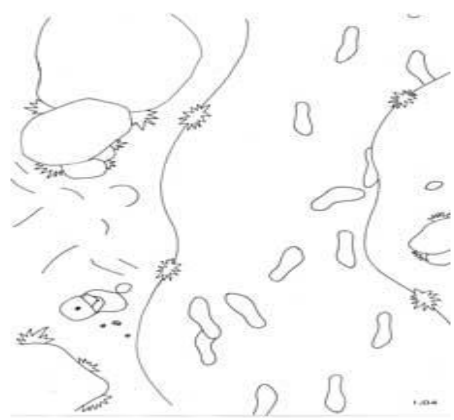

सुराग # 5 बाइबल दृश्य (पाठ 4)

गोपनीय: खाली बैग और सिक्के इधर-उधर बिखरे हुए क्योंकि उसे लूटा गया था, सड़क के दूसरे किनारे पर दो जोड़ी पैरों के निशान, जो एक फरीसी और दूसरा याजक के हो, जमीन पर उस घायल व्यक्ति के शरीर का निशान जो अब वहां पर नहीं है।

मामला सुलझ गया   मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया! (4)

बाइबल कहानी (पाठ 4)

अच्छा सामरी

बाइबल में से: लूका 10:25-37

एक व्यवस्थापक ने यीशु की परीक्षा लेने के उद्देश्य से उससे एक पहेली पूछी, “अनंत जीवन पाने के लिए मैं क्या करूं?” यीशु ने उसे महान आज्ञाओं को बताते हुए उत्तर दिया: “अपने परमेश्वर से पूरे हृदय और अपने पूरे प्राण और अपनी पूरी शक्ति और अपने पूरे मन से प्रेम रखना; और, “अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।” तब व्यवस्थापक ने अपने आप को धर्मी ठहराने के उद्देश्य से पूछा, “तो मेरा पड़ोसी कौन है?”

बजाय इसके कि वह उन लोगों की एक सूची उसे देता जिन के प्रति उसे दया दिखानी थी, यीशु ने उसे नीचे दी गई कहानी सुनाकर उसे बताया कि वह एक अच्छा पड़ोसी कैसे बन सकता है।

यरूशलेम से यरीहो की तरफ एक धूल भरी सड़क से चलते हुए जा रहे एक आदमी को कुछ लुटेरों ने पकड़ा और उसे तब तक मारा जब तक कि वह अधमरा नहीं हो गया, और वे उसके कपड़े भी छीन कर ले गए। धूल में पड़े हुए, नग्न अवस्था में, लहूलुहान और चलने में असमर्थ उस व्यक्ति ने दूर से एक याजक को अपनी और आते हुए देखा। उसकी मदद के लिए रुकने की बजाए वह याजक सड़क के दूसरे स्थान से होकर वहां से गुजर गया। काफी समय नहीं बीता जब उसने एक और "अच्छे व्यक्ति" को दूर से अपनी ओर आते हुए देखा जो परमेश्वर के भय मानने वाले परिवार से संबंध रखता था (अर्थात एक लेवी)। वह भी उसकी ओर आ रहा था। लेकिन जब उन दोनों की आंखें मिली तब वह लेवी भी उसके पास ना जाकर वहां से गुजर गया। तब थोड़ी देर बाद एक मैला परदेसी वहां से गुजर रहा था जिसे कलीसिया में जाने की अनुमति नहीं थी और जो परमेश्वर की गलत तरीके से आराधना करता था (एक सामरी)। उसने उस घायल व्यक्ति को देखा और उस पर तरस खाया। यह परदेसी वहां रुका, उसकी देखभाल की, उसे एक सराय में ले गया और उस सराय के सभी खर्च उसने स्वयं सहन किया और वहां किसी एक को उनकी देखभाल के लिए नियुक्त भी किया।

“इन तीनों में से तुम क्या सोचते हो कि कौन उस घायल व्यक्ति का पड़ोसी था जो उन लुटेरों के हाथों में पड़ गया था?” व्यवस्थापक ने जवाब दिया, “वही जिसने उस व्यक्ति पर तरस खाया।” यीशु ने उससे कहा, “ जा और तू भी उसी तरह कर|”

अमलीकरण (पाठ 4)

अच्छे सामरी की तरह, मुझे हर एक के प्रति दया दिखाने की जरूरत है।

याद करने की आयत (पाठ 4)

" क्योंकि यदि तुम अपने प्रेम रखने वालों ही से प्रेम रखो, तो तुम्हारे लिये क्या फल होगा? क्या महसूल लेने वाले भी ऐसा ही नहीं करते?" - मत्ती 5: 46

गृह कार्य (पाठ 4)

किसी एक को चुनों जो आपका मित्र ना हो और उसके पास एक मित्रता के भाव से जाओ। आप उसे स्कूल के बाद अपने साथ खेलने के लिए आमंत्रित कर सकते हो, या भोजन अवकाश के समय आपके साथ बैठने और मिलकर खाना खाने के लिए बुला सकते हो।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 4)

इस पाठ में से हम परमेश्वर के बारे में क्या सीखते हैं? परमेश्वर हम से चाहते हैं कि हम दूसरों की मदद करें।

मस्ती का समय (पाठ 4)

खेल (पाठ 4)

दोस्त टैग

इस आउटडोर पार्टी खेल में कम से कम 6 खिलाड़ियों की जरूरत पड़ेगी (लेकिन यदि उससे ज्यादा हो तो बेहतर होगा!)। शुरू करने के लिए, एक विद्यार्थी “पकड़ने वाला” होगा और दूसरा “भागने वाला”। दूसरे सभी अपने लिए एक दोस्त ढूंढते हैं, एक दूसरे के हाथों को पकड़ते हैं, और फिर मैदान में अलग-अलग स्थानों में फ़ैल जाते हैं। “पकड़ने वाला” तब भागने वाले को पकड़कर उसके साथ टैग बनाने की कोशिश करता है। भागने वाले को अन्य दोस्तों वाले जोड़ी के साथ हाथ पकड़े हुए रहना होता है इससे पहले कि वह पकड़ा जाए। जब भागने वाला अपने लिए एक दोस्त ढूंढ लेता है, तब जोड़ी के दूसरे भाग का दोस्त “भागने वाला” बन जाता है। अगर वह "भागने वाला" अपने पकड़े जाने से पहले किसी एक दोस्त को नहीं पकड़ पाता तो वह “पकड़ने वाला” बन जाता है और “पकड़ने वाला” , “भागने वाला” बन जाता है।

छोटी उम्र के प्रीस्कूल बच्चों के लिए विकल्प: फ्रेंडशिप जाल

बच्चों को जमीन पर एक गोल घेरे में बैठाएं। एक धागे या ऊन की गेंद को इस्तेमाल करते हुए एक बच्चे की ओर इशारा करते हुए उससे पूछे, “मैं सबसे ज्यादा खुश तब होता हूं जब...?” जब वह बच्चा जवाब

देता है, तब उस बच्चे को वह गेंद दे, इस बात का यकीन कर लें कि वह उस गेंद के सिरे को अच्छी तरह से अपने पास पकडे रहे, और उसके बाद वे अपने दूसरे मित्र से जो उस गोल घेरे में होते हैं वही सवाल पूछता है, “मैं सबसे ज्यादा खुश तब होता हूं जब...? और फिर उस धागे या ऊन की गेंद को उसकी ओर सरका दें; ऐसा तब तक जारी रखें जब तक सभी बच्चे जवाब नहीं दे देते। अगर बच्चे इस खेल को आगे खेलने में रुचि रखते हैं तो आप सवाल को बदल सकते हैं और पूछ सकते हैं कि, “मैं सबसे ज्यादा दुखी तब होता हूं जब...? और फिर गेंद को उनकी ओर सरका दें। जब आप इस खेल को पूरा खेल चुके तब सभी बच्चों को अपने हाथों में उस धागे को मजबूती से पकड़े हुए खड़े होने के लिए कहें। अब आपके पास एक फ्रेंडशिप टैग होगी।

चर्चा (पाठ 4)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 आप अपने स्कूल में आए एक नए विद्यार्थी के लिए एक पड़ोसी किस तरह से हो सकते हैं? या किसी भिखारी के लिए? अपने छोटे भाई/ बहन के प्रति जो काफी परेशान करता/ करती है?

विद्यार्थियों को दूसरों की मदद करने के तरीकों के विषय में बातें करने दे, भले ही वे ऐसा ना करना चाहते हो, या वे कौन से खतरे हैं जिन्हें उनको सामना करना पड़ सकता है अगर वे किसी नए बच्चे को सार्वजनिक स्थान पर मदद करते हुए पकड़े जाते हैं। इस विषय पर बातें करें कि अपने छोटे भाई बहन की मदद करना कितना मुश्किल होता है।

2 एक उदाहरण दीजिए कि कैसे एक प्रसिद्ध व्यक्ति ने अपने आप को सही ठहराने की कोशिश की। वे उन परिस्थितियों में किस प्रकार से प्रतिक्रिया करते अगर वे परमेश्वर और पड़ोसी को प्रेम करने की कोशिश करते?

राजनेता, संगीतकार, धावक और अभिनेता अक्सर उनके बुरे व्यवहार के लिए खबरों में रहते हैं। उनमें से किसी एक को चुनो जिनसे बच्चे अच्छी तरह परिचित हो, और इस विषय पर बात करें कि उन्होंने क्या किया था। अगर बच्चे दोनों पहलुओं पर बात करने में व्यस्त हो, तो उस चर्चा को उस दिशा की ओर मोड लो कि परमेश्वर के प्रेम को दिखाने के लिए उनके स्थान पर वह क्या करते हैं, लेकिन केवल पहले प्राप्त किसी अच्छे उत्तर को स्वीकार ना करें बल्कि बच्चों को उस चर्चा में व्यस्त रखें।

3 एक हाल ही में घटी किसी घटना का उल्लेख करो जिसमें कोई एक व्यक्ति किसी नियम या कानून का बारीकी से अनुसरण करना चाह रहा था जबकि अंत में वह अधिक मौलिक नियमों को तोड़ते हुए पाया गया हो।

आप स्कूल के नियमों के विषय में, पुलिस द्वारा लगाए गए कानून व्यवस्था, कलीसिया द्वारा दिए गए नियम और ऐसे अन्य कई स्थानों के बारे में चर्चा कर सकते हैं जहां ऐसे कई नियम होते हैं जिनका कोई अर्थ या मतलब नहीं होता। उदाहरण के रूप में: स्कूल की कक्षाओं में भागने के कारण होने वाली

परेशानी, जब आप ऐसा कर रहे थे तब आप यह चाहते थे कि आप कक्षा में बिना देरी के पहुंच सके। या अपने मित्रों से बातें करते हुए किसी मुसीबत में पड़ना, जब कि आप केवल लिखने के लिए एक पेंसिल मांग रहे थे, या कक्षा में समय पर पहुंचने के लिए जब आप बाड़ा लांग कर कूद रहे थे तब आपके कपड़े फट गया, लेकिन उस शर्ट के लिए घर पहुंचने पर आप मुसीबत में पड़ जाते हैं।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 4)

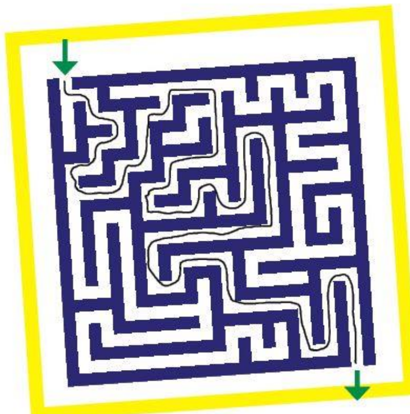

लूकास का प्रयोग पाठ)4)

यह प्रयोग हमें देखने के दृष्टिकोण को समझने में मदद करता है, और दिखाता है कि किस प्रकार जब हम चीजों को देखते हैं तब हमारे दृष्टिकोण बदलते जाते हैं। इन दो रेखाओं को देखें और देखें कि किस प्रकार एक रेखा दूसरे से बड़ी दिख रही है। दूसरा विचार यह है कि किस प्रकार दो समानांतर रेखाएं बिल्कुल एक दूसरे की सीध में होती है लेकिन वह हमें समानांतर नहीं दिखती। तीसरा उदाहरण एक बच्चे और एक कंप्यूटर माउस का ले सकते हैं, उन दोनों के बीच में एक बिंदु के साथ। जब आप अपने नाक को बिंदु के पास ले जाते हैं, तो आपको ऐसा लगता है कि माउस बच्चे के पास आ रहा है। अपने विद्यार्थियों को इन तीनों उदाहरणों को कक्षा में करने दें जैसा कि वीडियो में दिखाया गया है।
(अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)
https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1291919184177795/

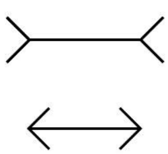

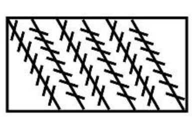

--[मामला 5]--

सुराग!(पाठ 5)

1 सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 5)

जल्लाद के लगाम का मामला

2 सुराग # 2 नाटक (पाठ 5)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

पुलिस: जरा सुनिए मैडम?

महिला: जी ऑफिसर?

पुलिस: मेरे पास कुछ सवाल है जो मैं आप से पूछना चाहता हूं।

महिला: जी, आप जैसे अच्छे आकर्षक ऑफिसर के लिए किसी भी सवाल का जवाब जरूर दूंगी।

पुलिस: ओह, धन्यवाद, हां, खैर, मैं सोचता हूं कि क्या आपने दूसरी घोषणा से पहले की रात कुछ देखा था?

महिला: आप का मतलब सड़क के उस ओर ज़ेरेश और उसके बेचारे पति के घर में?

पुलिस: बिल्कुल...

महिला: खैर, यह काफी अजीब बात थी, देखिए, क्योंकि पिछले पूरे एक हफ्ते से कई मजदूर उसके सामने के आंगन में काम कर रहे थे...

पुलिस: कहते जाओ (एक नोटबुक निकालता है और उसमें कुछ लिखता जाता है)

महिला: देखिए, ऐसा लगता है कि यह एक आत्महत्या का मामला है लेकिन अगर आप मुझसे पूछोगे तो यह काफी अजीब बात लगती है। इन सारे मामलों में कहीं ना कहीं, कुछ ना कुछ गड़बड़ जरूर है।

पुलिस: तो आपको लगता है कि यह एक आत्महत्या नहीं थी?

महिला: खैर, मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकती। उसके जैसा एक दुष्ट आदमी... खैर मुझे लगता है कि अब यह मेरी समस्या नहीं है, लेकिन मुझे यकीन था कि वह जरूर किसी के बारे में कोई षड्यंत्र रच रहा था, लेकिन अगले ही दिन मैंने उससे शहर के अलग-अलग स्थानों पर यह घोषणा करते हुए जाते देखा

कि वह कितना महान व्यक्ति है... लेकिन... लेकिन अब देखो मेरा वह पडोसी उस भयानक फंदे पर लटका हुआ था!

सुराग # 3 वस्तु (पाठ 5)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: कागज के रंग बिरंगे टुकड़े

सुराग# 4 पुरातत्व (पाठ 5)

अर्त्क्षत्र राजा जिसे क्षयर्ष सम्राट (486-465 ईसा पूर्व) भी कहते हैं, के कब्र का एक चित्र। उसकी कब्र इरान देश में है, उस ऐतिहासिक स्थल पर जिसका नाम नक्श-ए-रुस्तम है, जिसके साथ ही साथ अन्य प्रसिद्ध फारसी राजाओं की कबरें भी खुदी हुई है (आमिर हुसैन जुल फ़ख़री द्वारा ली गई तस्वीर)
(गोपनीय: क्षयर्ष, एस्तेर की किताब में वर्णित राजा का नाम है)

सुराग# 5 बाइबल दृश्य (पाठ 5)

गोपनीय: राजा की मोहर और मोहर के लिए अंगूठी बाजू में रखते हुए घोषणा करें: एस्तेर 3;12 और 8;8

मामला सुलझ गया मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया! (पाठ 5)

बाइबल कहानी (पाठ 5)

एस्तेर

बाइबल में से: एस्तेर 2-7

एस्तेर, मोर्दकै की एक बहुत ही खूबसूरत चचेरी बहन थी, जो राजा क्षयर्ष का एक विश्वास योग्य यहूदी दास था, जो अपने लिए एक नई सुंदर पत्नी की तलाश में था। राजा के सामने भेंट करने से पहले मोर्दकै ने एस्तेर को 12 महीने की सौंदर्य रखरखाव प्रक्रिया से होकर गुजरने दिया। एस्तेर इतनी ज्यादा खूबसूरत थी कि राजा तुरंत उससे प्रेम करने लगा और उससे शादी कर ली। हामान राजा के दरबार में एक उच्च अधिकारी के रूप में कार्य करता था। वह यहूदी लोगों से नफरत करता था और किले के फाटकों के पास घमंड के साथ चलना उसे पसंद था ताकि वहां पर मौजूद हर कोई उसे झुककर प्रणाम करे। सब लोग झुककर उसे प्रणाम करते थे लेकिन मोर्दकै ऐसा नहीं करता था। वह केवल एकमात्र सच्चे परमेश्वर के सामने ही झुकता था। हामान के मन में मोर्दकै के प्रति नफरत ने उसको इस ओर प्रेरित किया कि उसने वहां रहने वाले सभी यहूदियों को मार डालने की योजना बनाई। उस ने राजा से कहा कि वहां पर एक जाति के लोग ऐसे हैं जो आप की आज्ञा और कानून को नहीं मानते। यह सुनकर राजा क्षयर्ष ने हामान से कहा कि जो कुछ वह उनके साथ करना चाहता है वह कर सकता है। इसलिए, हामान ने एक राजाज्ञा निकाली कि सभी यहूदी मार डाले जाए। इसके साथ ही साथ उसने मोर्दकै को लटकाने के लिए अपने घर के आंगन में एक बहुत बड़ा फांसी का फंदा बनाया।
एस्तेर को किसी तरह हामान के इस षड्यंत्र का पता चला और वह समझ गई कि उसे कुछ करना होगा। उसने राजा और हामान दोनों को भोज में आमंत्रित किया जहां राजा ने उससे कहा कि वह जो कुछ चाहती है वह उसे दे देगा, यहां तक कि अपना आधा राज्य भी। तब एस्तेर ने राजा से कहा कि वह केवल अपने लोगों को बचाना चाहती है, और यह भी बताया कि हामान उन सबको मार डालना और खत्म कर देना चाहता है। यह सुनकर राजा क्रोधित हो उठा और अपने कमरे को छोड़कर चला गया। जब वह वापस अपने कमरे में आया तो उसे लगा कि उसने हामान को रानी पर हमला करते हुए देखा है। गुस्से से भरे हुए राजा ने हामान को उसी फंदे पर लटका देने का आदेश दिया जो उसने स्वयं अपने घर के बाहर मोर्दकै के लिए बनाया था!

अमलीकरण (पाठ 5)

परमेश्वर कई बार मुझसे कहेगा कि मुझे काफी साहसी बनना होगा और उसके लिए महत्वपूर्ण चीजों को जोखिम में डालना होगा।

याद करने की आयत (पाठ 5)

"क्या मैं ने तुझे आज्ञा नहीं दी? हियाव बान्धकर दृढ़ हो जा; भय न खा, और तेरा मन कच्चा न हो; क्योंकि जहां जहां तू जाएगा वहां वहां तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे संग रहेगा। - यहोशू 1:9

गृह कार्य (पाठ 5)

परमेश्वर ने मुझे दूसरों को बचाने के लिए चुना होगा, और यहां पर "ऐसे एक समय के लिए" रखा होगा। अपने किसी पड़ोसी को बताइए कि आप एक मसीही है और उससे पूछिए कि क्या वह अगले हफ्ते उनके साथ कलीसिया में जाना पसंद करेंगे।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 5)

इस पाठ में से हम परमेश्वर के बारे में क्या सीखते हैं? जब परमेश्वर अपने लोगों को बचाना चाहता है, तो वह अक्सर भिन्न प्रकार के अनुयायियों को इस्तेमाल करते हुए ऐसा करता है।

मस्ती का समय (पाठ 4)

खेल (पाठ 5)

हामान, मोर्दकै, एस्तेर

यह खेल पत्थर, कागज और कैंची की तरह ही है। एस्तेर हामान को हराती है, हामान मोर्दकै पर हमला करता है, और मोर्दकै एस्तेर को संरक्षण देता है।

बच्चों को दो टीमों में विभाजित करें और उनके बीच लगभग 4 फीट दूरी रखें। हर टीम को कुछ कदम पीछे जाने को कहें ताकि एक झुंड बनाया जा सके जो यह निर्णय लेगी कि उनमें से कौन :हामान, मोर्दकै और एस्तेर बनेंगे।

उनके झुंड में से, हर टीम निर्णय लेती है कि वे क्या बनेंगे, साथ ही एक बैकअप चुनाव भी रखें। तब वह फिर से अपने 4 फुट की दूरी में वापस आकर खड़े हो जाए। तीन की गिनती में, प्रत्येक टीम चिल्लाता है कि वह कौन है। अगर एक टीम चिल्लाती है "एस्तेर!" और दूसरी चिल्लाती है "हामान!" , तब एस्तेर टीम हामान टीम का तब तक पीछा करेगी जब तक वह अपने सेफ जोन में नहीं पहुंच जाते (आप इन्हें किसी कोन, या पेड़ या अन्य किसी वस्तु का इस्तेमाल करते हुए निशान लगा सकते हैं) जिस किसी को भी टैग किया जाता है वह अन्य टीम का सदस्य या भाग बन जाता है। अगर दोनों टीम किसी एक व्यक्ति का ही नाम लेता है, तो वह इसे वापस अपने बैकअप चुनाव का इस्तेमाल करते हुए करेंगे।

चर्चा (पाठ 5)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 परमेश्वर ने आपको जो गुण या प्रतिभाएं दी है उनके द्वारा आप परमेश्वर की सेवा करने के लिए क्या कर सकते हो?

उन्हें अपने बाहरी विशेषताओं के विषय में बात करने दें जिन्हें वे बदलना चाहते हैं जैसे कि नाक, दाढ़ी, आंख, मुंह आदि। उन्हें एक दूसरे के शारीरिक बनावट के विषय में एक दूसरे का मजाक उड़ाने ना दें। कुछ समय के पश्चात इस वार्तालाप को क्रियात्मकता या बौद्धिकता, या आंतरिक शक्ति और परिवार में होने वाले बीमारी की ओर मोड दे। यह सभी चीजें परमेश्वर के प्रारूप से जुड़े हुए हैं। हमें उन सभी बातों को स्वीकार करना चाहिए जो परमेश्वर

हमें देते हैं, जबकि हम उसे पसंद ना करते हो। परमेश्वर ने अपनी योजना को पूरा करने के लिए, हो सकता है कि आपको अलग रंग की चमड़ी या बात करने का अंदाज दिया हो।

2 वह कौन सा सबसे मुश्किल निर्देश था जिसे मानना आपके लिए सबसे कठिन लगा हो?

हर विद्यार्थी को एक अवसर दें कि वह अपने व्यक्तिगत सफलता के विषय में कुछ कह सके ताकि वह इस बात को समझ जाएं कि हर कोई किसी ना किसी तरह से आज्ञा को मान रहे थे। घमंड करने या गप्पेबाजी को उत्साहित ना करें। कुछ उदाहरण: अंधेरे में किसी दुकान में जाना, किसी उदंड करने वाले विद्यार्थी के घर के सामने से होकर स्कूल जाना, या अपने किसी गृह कार्य को वापस करना जो सही तरह से नहीं किया गया था।

3 आपके परिवार के सदस्य जैसे अंकल या आंटी, आप की देखभाल के लिए कौन से तरीके दिखाते हैं या रुचि रखते हैं?

विद्यार्थियों को उनके दादा दादी, अंकल आंटी और चचेरे भाई बहनों के विषय में बात करने के लिए उत्साहित करें। परिवार के सदस्यों के विषय में नकारात्मक कहानियां बोलने से उन्हें निरूत्साहित करें। सबके जवाब अलग अलग हो सकते हैं लेकिन उन सबको ऐसे ग्रहण करो जैसे सबको लगे कि उन्होंने कमाल का जवाब दिया है और वे आगे भी जवाब देने में उत्साहित रहें।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 5)

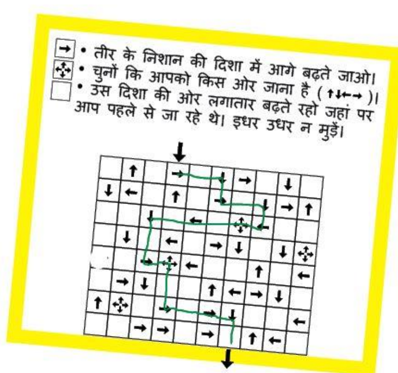

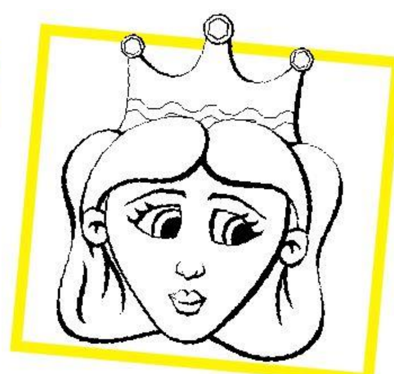

लूकास का प्रयोग पाठ)5)

बच्चों को दो अलग-अलग नाप के स्ट्रॉ और टेप का एक टुकड़ा इस्तेमाल करने दें ताकि वे ऐसे रॉकेट बना सके जो हवा में उड़ते हैं। इसमें एक स्ट्रा के द्वारा फूंक मारी जाती है और दूसरी स्ट्रॉ को उड़ाया जाता है। एक प्रतियोगिता का आयोजन करें और देखें कि किसका स्ट्रा रॉकेट सबसे ऊंचा, सबसे दूर और सबसे सटीक स्थान पर जाता है। (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)
https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1291929934176720/

--[मामला 6]--

सुराग! (पाठ 6)

सुराग#1 शीर्षक (पाठ 6)

मिलावटी स्वास्थ्य सबूत का मामला.

सुराग# 2 नाटक (पाठ 6)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

सफाई कर्मचारी: (अपने मोबाइल पर बात करते हुए) हेलो, सफाई कार्यालय? मुझे एक शिकायत दर्ज करानी है।

कार्यालय: (काफी उबाऊ लग रहा था), हां, अरे कौन सी बात है कर्मचारी ?

कर्मचारी: आपको फिर से परेशान करने के लिए माफी चाहूंगा, लेकिन यह तो हद हो गई। इस बारे में कुछ तो किया जाना चाहिए।

कार्यालय: किस विषय में कुछ किया जाना चाहिए?

कर्मचारी: यहां हर जगह इस्तेमाल किए गए मरहम पट्टियां और बैंडेज पड़े हुए हैं।

कार्यालय: अच्छा, तो ऐसा करो कि प्लास्टिक के दस्ताने पहन कर उन्हें इकट्ठा करो।

कर्मचारी: अरे नहीं, आप समझ नहीं रहे, वह हर तरफ फैले हुए हैं (गहरी सांस लेता है) यहां कम से कम दर्जनभर बीमार लोग होंगे जिन्होंने अपने मरहम-पट्टी यहां पर उतार कर फेंक दी है, यह काफी बुरा दिख रहा है।

कार्यालय: ठीक है, अभी तुम कहां पर हो?

सफाई कर्मचारी: शहर के पश्चिमी तरफ जोकि दक्षिणी मोड पर यरूशलेम हाईवे के पास है।

कार्यालय: ठीक है, ऑफिसर जोसेफ अभी ड्यूटी पर है, मैं उसे तुरंत ही तुम्हारे पास भेज दूंगा जब वह शहर की ओर से आ रही एक भीड़ के बारे में अपनी रिपोर्ट पूरी कर लेगा।

सफाई कर्मचारी: ओह, ऑफिसर जोसफ को नहीं, वह मेरी कुछ भी मदद नहीं कर पाएंगे।

कार्यालय: खैर, वही एक अकेला ऑफिसर अभी यहां पर है नहीं तो तुम्हें अगले 2 घंटे तक शिफ्ट बदलने तक इंतजार करना होगा।

सफाई कर्मचारी: ओह, तो ठीक है, कोई बात नहीं, मैं खुद ही इसे साफ कर दूंगा (बड़बड़ाता हुआ साफ करता है)।

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 6)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: सफेद कपड़ा

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 6)

यरूशलेम का मंदिर जैसा कि वह आज दिखाई देता है। (गोपनीय: जहां पर उन कोढियों को अपने आप को चंगे होने के बाद दिखाने जाना था, यीशु की आज्ञा को मानते हुए)

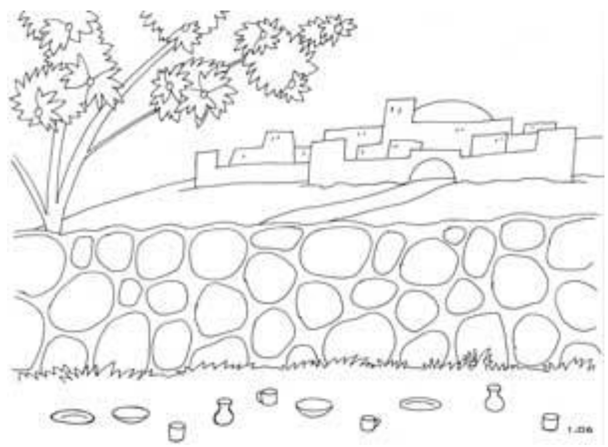

5 सुराग# 5 बाइबल दृश्य (पाठ 6)

गोपनीय: 10 कोढियों के लिए 10 अलग-अलग खाद्य पदार्थ, दीवार के बाहर, क्योंकि उन कोढियों को शहर के बाहर रहना होता था।

मामला सुलझ गया! (पाठ 6)

बाइबल कहानी (पाठ 6)

10 कोढ़ी

बाइबल में से: लूका 17: 11-19

अपने शहर के पास कुछ दूरी पर, यीशु यरूशलेम की ओर सीमा क्षेत्र के एक सड़क से होकर गुजर रहा था जो सामरी और गलीली के बीच मे थी जोकि 30 घंटे की दूरी पर स्थित था। जैसे ही वह एक गांव में दाखिल हुआ, तब 10 कोढियों ने यीशु को दूर से पुकार कर कहा, " हे यीशु, हे गुरु, हम पर तरस खा!" कोढ़ एक ऐसी खतरनाक बीमारी है जो अंगुलियों, अंगूठों, नाक और कान को खा जाती है या मार डालती है; उस समय कोढियों को हमेशा ऐसा कहते रहना होता था कि वे अशुद्ध हैं। जब यीशु ने उनको देखा तब उसने कहा, "जाओ, और अपने आप को याजको को दिखाओ।" मूसा की व्यवस्था के अनुसार, अगर वे चंगे हो गए हो, तो ऐसा करने से वे वापस समाज में शामिल कर दिए जाते हैं और साथ ही मंदिर में जाकर परमेश्वर की आराधना कर सकते थे। वे अभी तक चंगे नहीं हुए थे, इसलिए यह काफी अजीब बात लग रही थी।

लेकिन फिर भी वे सभी यरूशलेम की ओर चल पड़े और जब वे मार्ग में चल रहे थे तो वे चंगे/ शुद्ध हो गए! उनमें से एक, एक परदेसी व्यक्ति, ने जब देखा कि वह चंगा हो गया है तो वह तुरंत यीशु के पास लौट आया। उसने दूर ही से परमेश्वर की स्तुति की और वहां से सीधे यीशु के पास पहुंचा, और यीशु के कदमों पर गिर कर उसे धन्यवाद देने लगा। यीशु काफी आश्चर्यचकित हुए, क्योंकि वह जानता था कि उसने उन बाकियों को भी चंगा कर दिया था इसलिए उसने उस व्यक्ति से पूछा, " क्या सभी 10 लोग चंगे नहीं हुए? बाकी 9 कहां पर है? क्या उनमें से किसी ने वापस आकर परमेश्वर को धन्यवाद देने के बारे में नहीं सोचा, सिवाय इस परदेसी व्यक्ति के?"

तब यीशु ने उस व्यक्ति को उत्साहित किया जिसने चंगाई प्राप्त करने के बाद परमेश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया था, और उससे कहा, "उठो और जाओ: तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा किया है।"

अमलीकरण (पाठ 6)

उस कोढ़ी की तरह, मुझे भी परमेश्वर से उन बातों के लिए "धन्यवाद प्रभु" कहने की जरूरत है जो उसने मेरे लिए किया है।

याद करने की आयत (पाठ 6)

"हर बात में धन्यवाद करो: क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है।" - 1 थिस्सलुनीकियों 5:18

गृह कार्य (पाठ 6)

उन तीन चीजों की एक सूची बनाओ जिनके लिए अभी तक आपने परमेश्वर को धन्यवाद नहीं दिया है। सामान्य रूप से जिन चीजों के लिए हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं उनमें भोजन, कपड़ा और परिवार शामिल होता है। आपके विद्यार्थियों को उन नए विचारों या चीजों के बारे में सोचने के लिए कहें जिनके लिए वे परमेश्वर को धन्यवाद दे सकते हैं: जैसे कि, कोई खोई हुई चीज़ का वापस मिल जाना, आपके सुरक्षित स्कूल पहुंचने तक बारिश को रोके रहना, आज पूरे दिन बिना किसी दुर्घटना के बाइक पर सवारी, पूरे दिन अपने भाई या बहन से केवल अच्छी बातें कहने के लिए, आदि।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 6)

इस पाठ में से हम परमेश्वर के बारे में क्या सीखते हैं? परमेश्वर अपने लोगों से आज्ञाकारिता और धन्यवाद चाहते हैं।

मस्ती का समय (पाठ 6)

खेल (पाठ 6)

झाड़ू की छड़ी पकड़ना

एक विद्यार्थी को बीच में खड़े रखते हुए बाकी अन्य खिलाड़ी एक गोल घेरा बनाते हैं। घेरे में खड़े सभी खिलाड़ियों को एक-एक नंबर दिया जाता है। बीच में खड़ा खिलाड़ी अपनी एक उंगली पर झाड़ू को संतुलित रखता है। बिना किसी चेतावनी के, वह अपनी उंगली को झाड़ू की छड़ी में से खींच लेता है और उसी समय किसी एक नंबर को पुकारता है। जिस खिलाड़ी के पास वह नंबर होता है वह तेजी से आगे आता और उस झाड़ू को जमीन पर गिरने से पहले पकड़ने की कोशिश करता है। यदि वह इसे पकड़ लेता है, तो वह केंद्र खिलाड़ी बन जाता है। यदि वह उसे पकड़ने में नाकाम रहता है, तो वह वापस अपने घेरे में खड़ा हो जाता है।

चर्चा (पाठ 6)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 इन दिनों में हम अधिक चंगाईयों को क्यों नहीं देख पाते?

विद्यार्थियों से चंगाई के विषय में चर्चा करने को कहें: जो परमेश्वर ने आपकी कलीसिया या शहर में की हो| इस बात पर भी चर्चा करें कि आपका समुदाय चंगाई के बारे में क्या विश्वास करता है: इस बारे में बातें करें कि वे कौन से कारण है जिसकी वजह से

इन दिनों में चंगाईयां कम हो रही है: जैसे कि लोगों में विश्वास की कमी, चंगाई के वरदान पाए हुए बहुत कम शिष्य या पासवान, आपके क्षेत्र में अधिक विरोध या उपद्रव, कम लोग ही चंगाई के लिए सामने आते हैं, या फिर जागृति की कमी, आदि।

2 वे कौन से कारण होते हैं जिनकी वजह से मैं उस चंगाई को प्राप्त नहीं कर पाता जो मुझे चाहिए?

विश्वास की कमी, या आपके लिए परमेश्वर की एक अन्य योजना और वह आपके भविष्य को देख सकता है, या फिर आपका उद्देश्य ठीक ना होना। ऐसा भी हो सकता है कि आपकी चंगाई आपके लिए सबसे उत्तम बात ना हो, या फिर आपके जीवन में कोई पाप हो, या अभी वह सही समय ना हो या फिर उस बीमारी के द्वारा परमेश्वर को महिमा मिलना।

3 क्या वे 10 कोढ़ी अपनी चंगाई को प्राप्त करने के योग्य थे?

योग्यता आज हर जगह एक आम बात हो चुकी है, जहां पर लोग सोचते हैं कि उन्होंने कुछ एहसान किया है जो चुकाया जाना चाहिए और इसलिए वे धन्यवाद नहीं देते या आभार नहीं मानते। हमारे पास क्या योग्यता है? एक शिक्षक होने के नाते आपका लक्ष्य यह है कि आप विद्यार्थियों को इस बात को समझने में मदद करें कि वे वास्तव में किसी बात के लिए भी योग्य नहीं है। हम जो कुछ भी हैं या हमारे पास जो कुछ भी हैं, उन सब के लिए हमें परमेश्वर के प्रति आभारी बने रहना चाहिए क्योंकि ये ही वे चीजें हैं जो परमेश्वर ने हमें इस दुनिया में कार्य करने के लिए दिया है।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 6)

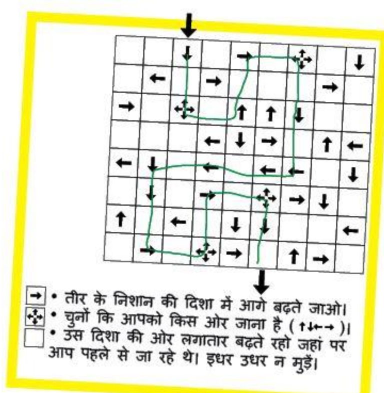

लूकास का प्रयोग पाठ)6)

बच्चों को एक गत्ते को धनुष के आकार में मोड़ने के लिए कहें, और उसे एक टेबल पर रखें और उसके नीचे फूंक मारें ताकि यह देख सके कि किस तरह जो हवा तेजी से बहती है उसमें कम हवा का दबाव होता है उसकी बजाय जो हवा धीमी बहती है। एक हवाई जहाज के पंख के ऊपर बहने वाली तेज हवा ही इसे हवा में ऊपर की ओर उठाती है। (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)

https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1291958180840562/

--[मामला 7]--

सुराग! (पाठ 7)

सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 7)

बिल्ली के बच्चों के दिखने का मामला

सुराग # 2 नाटक (पाठ 7)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

पोड: पर - पर - पर - पर - पर - पर - दादा?

पर दादा: हां, नौजवान?

पोड: क्या आप मेरे स्कूल अनुसन्धान कार्य में सहायता करेंगे?

परदादा: अवश्य, चाहो तो मेरे बगल में चलते रहो जबकि मैं काम कर रहा हूं, मुझे आज दिन के ख़त्म होने तक इन पौधों को पंक्ति में लगानी है ताकि कल इतनी मेहनत नहीं करनी होगी। माथे का पसीना पोंछता है...

पोड: बढ़िया! मैं अब तक का श्रेष्ठ अनुसन्धान प्राप्त करने जा रहा हूँ। एक रिपोर्ट के लिए मैं एक बुजुर्ग व्यक्ति की शुरूआती यादों को खोजने जा रहा हूँ जिन्हें मैं जानता हूँ ।

परदादा: इसके लिए तुमने मुझे चुना, क्या ऐसा है?

पोड: अवश्य मैंने ऐसा किया है। तो, क्या आप मुझे इन पर्वतों के बारे में बता सकते हैं कि यह यहाँ कैसे आये हैं?

परदादा: आह, मैं बुजुर्ग हो सकता हूँ, लेकिन मैं धूल से अधिक बुजुर्ग नहीं हूँ।

पोड: ठीक है, इस नदी के बारे में?

परदादा: मैंने एक बार वसंत को देखा है जिसने इसे खिलाया है, लेकिन तब मैं युवा था और मैं वापस नहीं गया हूँ।

पोड: तो, शुरूआती बात क्या है जो आप याद कर सकते हैं?

परदादा: जानवर। मेरी दुल्हन और मैं सुबह बाहर निकलते और उनको खेलते देखते हुए हम नाश्ता करते और मैं कहता, वहां देखो उसको, वह कितना शांत है, और वह कहती, कौनसा, वह बड़ा भूरा या लाल वाला इसके ऊपर? कुछ समय बाद हम इसे जान जाते और जानवरों को उनकी बदमाशी, शरारत भरे काम करते देखते हुए अपने नाश्ते का आनंद उठाते थे।
पोङ: सच में? यह जरुर बहुत अच्छा रहा होगा।
परदादा: हां, ऐसा ही था। कौन जानता है कि हो सकता है कि तुम या तुम्हारा कोई बच्चा उन्हें वैसे ही किसी दिन एक साथ आते हुए देखने पाओगे।
पोङ: वह कितना अद्भुत होगा!

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 7)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: फूल

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 7)

वर्तमान बगदाद में टिगरिस नदी की तस्वीरें। (गोपनीय : इस जगह को उत्पत्ति के दूसरे अध्याय में बताया गया है)

5 सुराग: 5 बाइबल दृश्य (पाठ 7)

गोपनीय: समस्त सृष्टि एक प्रमाण है।

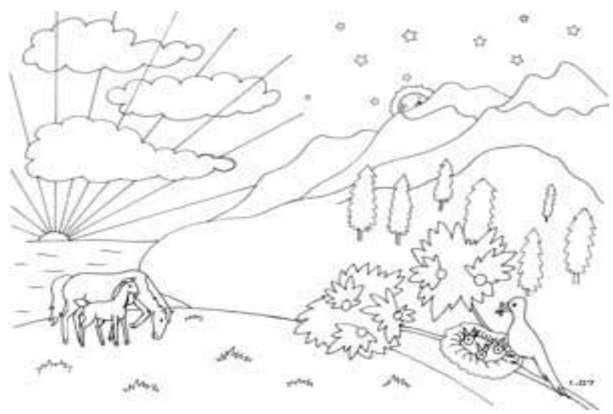

मामला सुलझ गया! (पाठ 7)

बाइबल की कहानी (पाठ 7)

सृष्टि

बाइबल में से: उत्पत्ति 1

परमेश्वर ने सातवें दिन काम से विश्राम किया, उन्होंने देखा कि उनकी सृष्टि अच्छी है और उन्होंने अपने सारे काम से एक विराम लिया। लेकिन आदि के पुनर्विचार के लिए, पहले दिन परमेश्वर ने कहा "उजाला हो" और वहां ऐसा ही हुआ। दूसरे दिन परमेश्वर ने कहा "आकाश हो" और वहां हुआ। तीसरे दिन परमेश्वर वास्तव में व्यस्त थे और उन्होंने धरती और इस पर के सारे पौधे बनाये। इसमे सभी फूल शामिल हैं, वृक्ष और घास की पत्तियां और परमेश्वर ने कहा, "यह अच्छा है।" तब चौथे दिन परमेश्वर ने सूर्य और चन्द्रमा को दिनों, वर्षों और समय के मौसम के पथ के लिए बनाया। उन्होंने रात में चमकने के लिए हजारों तारों को भी बनाया। पांचवां दिन सागर के सभी जानवरों और हवा के पक्षियों को लाया, और परमेश्वर ने उन्हें फलने और बढ़ने के लिए कहा। बड़े और छोटे सभी जानवर छठवें दिन बनाये गए, और तब परमेश्वर ने मनुष्य को बनाया। उन्होंने अपनी जीवन का श्वास मिट्टी के टुकड़े में फूंक दिया और मनुष्य रचा गया। उन्हें सभी पौधों और पशुओं पर अधिकार दिया गया। परमेश्वर ने एक विशेष बगीचा बनाया और आदम को वहां रखा। जब आदम सोने गया, परमेश्वर ने फैसला किया कि आदम का अकेला रहना अच्छा नहीं, इसलिए उन्होंने उसकी एक पसली ली और हव्वा को रचा। तब परमेश्वर ने बढ़ने और पृथ्वी में भर जाने की आज्ञा दी, और उन्होंने सातवें दिन विश्राम किया।

अमलीकरण (पाठ 7)

आदम के जैसे मैं भी अपने आस पास की सृष्टि की देखभाल करने के लिए जिम्मेदार हूँ।

याद करने की आयत (पाठ 7)

"और परमेश्वर ने उन को आशीष दी: और उन से कहा, ...समुद्र की मछलियों, तथा आकाश के पक्षियों, और पृथ्वी पर रेंगने वाले सब जन्तुओ पर अधिकार रखो।" उत्पत्ति 1:28बी

गृहकार्य (पाठ 7)

अपने बाड़े में एक पौधे को पानी दें और उसके आस पास की जंगली घास को हटायें, ताकि यह अच्छे से बढे ।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 7)

इस पाठ से हमने परमेश्वर के बारे में क्या सीखा? परमेश्वर ने सब कुछ बनाया।

मस्ती का समय (पाठ 7)

खेल (पाठ 7)

सृष्टि खेल

पेपर पर सूर्य और चन्द्रमा लिखें, इसमें एक चित्र जोड़ें उन बच्चों के लिए जो पढ़ने के लिए काफी छोटे हैं। इसे किसी दीवार या फ्लोर पर लगाएं। साथ ही अन्य संकेतों को भी बनाएं जो उत्पत्ति में सूचीबद्ध हैं जैसे पक्षी, मछली, पेड़, झील इत्यादि। खेल को खेलने के लिए, शिक्षक एक वस्तु का नाम लें और बच्चे दौड़ें उस सुराग की ओर जो उस वस्तु की है। अंतिम बच्चा वहां पहुँचने वाला आउट होगा और बैठे। छोटे बच्चे जानवर के नाटक में आनंद लेंगे जब वे उस चित्र की ओर चलते हैं जिसे सृष्टि के समय परमेश्वर ने बनाया है।

चर्चा (पाठ 7)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. आप क्लोनिंग के बारे में क्या सोचते हैं? क्या हम विज्ञान के द्वारा मनुष्य को बना सकते हैं?

अपने विद्यार्थियों को परमेश्वर के सृष्टि के कार्य की बात में ले जाएँ और कैसे उन्होंने शून्य से मनुष्य को बनाया, और यह तथ्य कि हमें कुछ बनाने के लिए परमेश्वर के विज्ञान का उपयोग करना होगा। किसी को समान डीएनए के साथ बनाने के सार के बारे में बात करें और कितने देश क्लोनिंग की अनुमति देते हैं या अनुमति नहीं देते हैं।

2. क्यों मुझे सप्ताह में एक दिन विश्राम करना है यदि अब हम पुराने नियम के कानून के अंतर्गत नहीं हैं?

इस प्रश्न का जवाब देने से पहले अपने पासवान के साथ इसका उत्तर जांचे कि आपका संप्रदाय सब्त को कब मनाते हैं, और आप इसे कैसे करते हैं। अपने विद्यार्थियों के साथ बात करें, उनके साथ बाँटें कि आपका सम्प्रदाय सब्त के दिन विश्राम को लागू नहीं करता, हमारा शरीर शीघ्र थक जाएगा यदि उसे जो आराम आवश्यक है, न मिले। अनुग्रह के अंतर्गत भी, हमें विश्राम की हर सप्ताह आवश्यकता है, परमेश्वर जानते हैं कि हमें क्या जरूरत है।

3. रीसाइक्लिंग, ग्लोबल वार्मिंग और जानवरों के विलुप्त होने से बचाने के बारे में क्या सोचते हैं? क्या मसीही इसमें शामिल होने चाहिए?

इस चर्चा का एक पहलू है कि परमेश्वर ने हमें सृष्टि पर प्रभुत्व दिया है, और हमें इसकी देखभाल करनी चाहिए। व्यवहारिक रूप से बोले तो, इसका मतलब हमें प्रदूषकों के प्रति सावधान और पशुओं की देखभाल करनी चाहिए। चर्चा का दूसरा पहलू यह है कि लोग युद्धों, दुर्व्यवहारों में मर रहे हैं और मनुष्य के विरोध में बहुत बुराई होती है, तो स्रोतों का उपयोग पशुओं की प्रजातियों को बचाने के लिए क्यों करें जब हमें लोगों को बचाना चाहिए। इस चर्चा का कोई उत्तर नहीं है, इसलिए, एक शिक्षक के रूप में आपका लक्ष्य यह होना चाहिए कि विद्यार्थी अपने आप इसके बारे में सोचें।

विद्यार्थी पृष्ठ के उत्तर (पाठ 7)

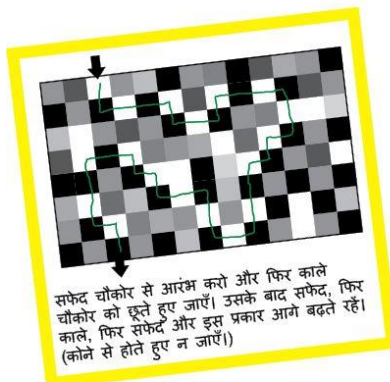

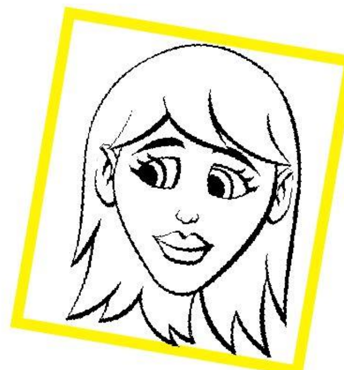

लूकास का प्रयोग (पाठ 7)

क्या विद्यार्थियों को कमरे में पांच वस्तुएं मिल सकती हैं जिन पर लेबल हो और पांच जिन पर न हो। नोट करें कि लोग अक्सर उन चीजों को उठाते हैं जिन पर लेबल होता है और परमेश्वर ऐसा नहीं करते।
https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1292083794161334/

--[मामला 8]--

सुराग! (पाठ 8)

सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 8)

पीड़ित की स्थिति का दूर से परिवर्तन का मामला

सुराग # 2 नाटक (पाठ 8)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

डॉक्टर: नमस्ते गार्ड, मैं जॉन को जांचने वापस आया हूँ।

गेट कप्तान: ओह, वह जरुरी नहीं होगा।

डॉक्टर: आपका क्या मतलब है? मैंने उसे आराम करने के सख्त आदेश दिए हैं, मैं निश्चित था कि वह इसे रात्रि से करने नहीं जा रहा था। इसलिए, मैं उसे देखने आया हूँ।

गार्ड: ठीक है, आपका काम बदल गया है एक "आने" से एक "जाने" में।

डॉक्टर: यह वास्तव में अजीब है। क्या जॉन मर गया है या उसमें कुछ सुधार आया है?

गार्ड: मैं नहीं जानता। मेरी हॉट शीट कल से इस प्रकार की जानकारी नहीं रखती, मैं केवल देखता हूँ कि आपका कार्य एक "आना" से बदलकर एक "जाना" हो गया है।

डॉक्टर: यह बुरा है, क्या बड़ों ने इसे वापस बदल दिया है। मैं उनसे बात करना चाहूँगा।

गार्ड: उन्होंने इसे वापस बदल दिया है, लेकिन मुझे संदेह है कि आपको उनसे कुछ मदद मिलेगी।

डॉक्टर: ऐसा क्यों है? मैंने सोचा वे कुछ मदद लेने गये हैं।

गार्ड: उन्होंने ऐसा किया, लेकिन तब बॉस आगे गये और उसको ना आने को कहा। मैं नहीं जानता क्या हुआ, लेकिन कल जब बॉस चले गये तब उसने आपके आदेश बदल दिए।

डॉक्टर: ठीक है, क्या मैं तब आपके बॉस से बात कर सकता हूँ?

गार्ड: नहीं, आप वास्तव में नहीं चाहते "आना" जब वह कहता हैं "जाओ", क्या आप चाहते हो?

डॉक्टर: नहीं, अवश्य मैं नहीं आना चाहता, धन्यवाद आपके समय के लिए।

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 8)

अपनी कक्षा में यह भौतिक वस्तु एक सुराग के रूप में लायें: दवा

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 8)

रोमी सैनिक के नाटक प्रस्तुतकर्ता की तस्वीर। लाल पंखों के साथ सैनिक एक "सूबेदार" होगा, पैदल सैनिकों के चार्ज में। (गोपनीय: वह जिसने यीशु से बात की उसने ऐसी पोशाक पहनी होगी)

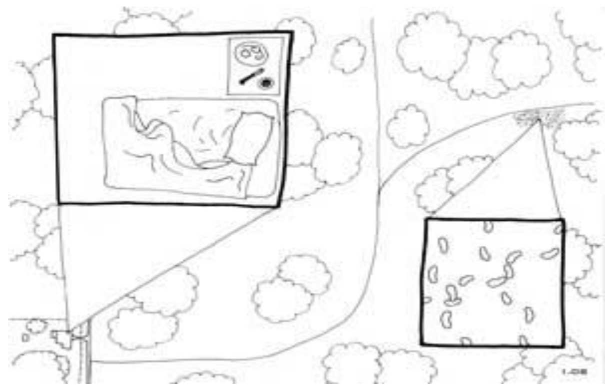

5 सुराग: 5 बाइबल दृश्य (पाठ 8)

गोपनीय: खाली बिस्तर, कप, और थर्मामीटर जो एक बीमार व्यक्ति को दिखाता है, घर से उस स्थान तक की दूरी जहाँ लोग थे, क्योंकि यीशु ने उसको दूर से चंगा किया था।

मामला सुलझ गया मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया! (पाठ 8)

बाइबल कहानी (पाठ 8)

सूबेदार का विश्वास

बाइबल में से: लूका 7:1-10

एक सेवकों का समूह तेजी से यीशु तक पहुंचता है, उन्हें बताने के लिए कि एक सेवक उनके मालिक के घर में बीमार है। उनका सरदार एक रोमी सैनिक अधिकारी था। वह अन्य 100 सैनिकों का सरदार था और उसका प्रिय सेवक बीमार था और मर रहा था। जैसे ही यीशु दरोगा के घर जाने को हुआ, एक अन्य समूह से उनकी मुलाकात हुई। दरोगा सैनिक ने इस मित्रों के समूह को एक सन्देश देने के लिए

भेजा, “ मैं इस योग्य नहीं कि आप मेरे निवेदन पर प्रतिक्रिया करें, मैं इस योग्य नहीं कि आप मेरे घर आओ। इसलिए मैं खुद आपको लेने नहीं आया। लेकिन यदि केवल आप कह देंगे, मेरा सेवक ठीक हो जाएगा। मैं एक मनुष्य हूँ जो एक अधिकार के नीचे हूँ और दूसरों पर अधिकार रखता हूँ। यदि मैं एक सैनिक को आने और जाने को कहता हूँ तो वह ऐसा करता है। मैं उनसे कुछ भी कहता हूँ तो वे करते हैं।” सरदार यीशु के अधिकार को समझ गया और जान गया था कि जो यीशु कहेगा वह हो जायेगा। जब यीशु ने यह सुना, वह चकित हुआ और कहा “मैं तुमसे कहता हूँ, सम्पूर्ण इजराइल में मैंने ऐसा विश्वास नहीं पाया” । उस शाम को जब दरोगा सैनिक अपने घर गया, उसने पाया kकि उसका सेवक ठीक हो चुका था।

अमलीकरण (पाठ 8)

सूबेदार के समान, मेरा विश्वास उनके लिए बदलाव ला सकता है जो मुझसे दूर हैं।

याद करने की आयत (पाठ 8)

"यह सुनकर यीशु ने अचम्भा किया, और उस ने मुंह फेरकर उस भीड़ से जो उसके पीछे आ रही थी, कहा, मैं तुम से कहता हूं, कि मैं ने इस्राएल में भी ऐसा विश्वास नहीं पाया।" लूका 7:9

गृह कार्य (पाठ 8)

एक मित्र या सम्बन्धी को एक नोट लिखें कि वे कैसे हैं और यदि हो सके तो आप उनके लिए कुछ प्रार्थना करें।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 8)

इस पाठ से हमने परमेश्वर के बारे में क्या सीखा? परमेश्वर सबसे ऊंचा अधिकारी है।

मस्ती का समय!! (पाठ 8)

खेल (पाठ 8)

बीन बैग खेल

शिक्षक इस खेल में प्रयोग करने के लिए कुछ बीन बैग बना सकते हैं। उनको बनाने के लिए, डबल छोटे प्लास्टिक बैग (एक बैग के अन्दर दूसरा बैग रखिये) और एक कप लगभग किसी प्रकार की सूखी बीन या चावल बैग में रखिये और इसे बीन को बाहर गिराने से रोकने के लिए बाँध दीजिये ।

- विद्यार्थी बीन बैग को धीरे से हवा में उछालें और तब फिर उसे पकड़ लें।

- विद्यार्थी एक बीन बैग को दूसरे विद्यार्थी की ओर उछालें, जो इसे पकड़ता है और उछालने और पकड़ने की कठिनाई को बढ़ाने के लिए एक कदम पीछे जाएगा, तब धीरे से उछाल कर बैग दूसरे विद्यार्थी को दें।

अतिरिक्त सुझाव बड़े विद्यार्थियों के लिएः

- विद्यार्थी चुनौती को ताली बजाकर बढायें जब बैग हवा में हो, और इसे पकड़ें।
- विद्यार्थी एक हाथ को पीठ के पीछे रख कर कठिनाई को बढायें और इसे केवल एक हाथ से उछालें और पकड़ें।

चर्चा (पाठ 8)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. चंगाई में विश्वास का क्या योगदान है?

विश्वास कुछ भरोसा करना है जबकि आप कुछ देख नहीं सकते। ये उदाहरण हमें चंगाई में विश्वास के योगदान को दिखाते हैं: एक महिला चंगी हुई जब उसने सोचा कि यदि वह केवल यीशु को छू लेती है, तो वह हो सकेगी। यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा किया"। मरकुस के 2 अध्याय में एक मनुष्य के मित्र उसे इमारत की छत से नीचे लटकाते हैं, और बाइबल कहती है कि यीशु ने मित्र के विश्वास को देख कर उसे चंगा किया। लूका 7 में दरोगा के विश्वास को यह विश्वास करने के लिए पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ विश्वास बताया गया कि यीशु उसको भी चंगा कर सकता है जो कुछ दूरी पर है। और मत्ती 15 में एक महिला ने यीशु के मन को विश्वास के प्रदर्शन के द्वारा बदला, और चंगाई को प्राप्त किया जिसे वह चाह रही थी। इसलिए विश्वास स्पष्ट रूप से चंगाई के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए यदि आपको वह चंगाई नहीं मिल रही है जो आप चाहते हैं, यह आपके विश्वास की कमी हो सकती है। यह कई बार हमारे लिए स्पष्ट नहीं हो सकता कि हम क्यों चंगाई प्राप्त नहीं करते, लेकिन हम जान सकते हैं कि विश्वास महत्वपूर्ण है।

2. यदि आपके विश्वास के स्तर के लिए आपको स्कूल ग्रेड दिया जाये तो आपका ग्रेड क्या होगा?

बात करें कि विभिन्न ग्रेड का क्या मतलब है: उत्तीर्ण होना या पराजित होना क्या है? (अपने देश के ग्रेड सिस्टम को ग्रेडिंग के लिए उपयोग करें। कुछ को 10 अंक प्राप्त होते हैं एक बड़े स्कोर के रूप में, और कुछ को ए)। यह कैसा लगेगा अगर मुश्किल से विश्वास में पास होते हैं, यह कैसा होगा जब विश्वास में किसी को 10 अंक एक बड़े स्कोर के रूप में प्राप्त होते हैं, और कुछ को ए? उदाहरण : हार मानना एक असफलता होगी, जबकि बने रहना और मानना पास होना। यदि आप मानते हैं और बहुत शिकायत करते हैं, तो आपकी शिकायत के कारण आपको बी/8 अंक प्राप्त हो सकेंगे।

3. गैर - मसीहियों का विश्वास कैसा होता है?

विश्वास कुछ भरोसा रखना है जो आप देख नहीं सकते, और इसलिए गैर-मसीहियों के पास भी विश्वास होता है। जब हम एक कुर्सी पर बैठते हैं, तो हमें विश्वास है कि यह हमारे नीचे नहीं

टूटेगी। विकास प्रक्रिया पर भरोसा रखने के लिए विश्वास चाहिए, या एक राजनीतिज्ञ को चुनाव जीतने के लिए भी विश्वास की जरुरत होती हैं। लोगों का देवी-देवताओं में विश्वास होता हैं जो कि वास्तविक नहीं होते, और मनुष्य में विश्वास उन्हें कभी कभी विफल कर देते हैं। विश्वास संसार में हर जगह है, और हर कोई इसे किसी में रखता है।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ ८)

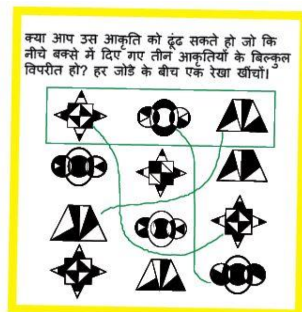

लूकास का प्रयोग (पाठ ८)

क्या आपके विद्यार्थी गुब्बारों को फुला कर और अपने सिरों में घिस कर उनमें स्थिर विद्युत पैदा करते हैं। गुब्बारों को दीवार पर लगाएं, और देखें कि यह बिना किसी सहायता के कैसे चिपके रहते हैं, स्थिर विद्युत के कारण! (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)
https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1293034897399557/

--[मामला 9]--

सुराग! (पाठ 9)

सुराग - 1 शीर्षक (पाठ 9)

अंधेपन के रहस्यमय हमले का मामला

सुराग - 2 नाटक (पाठ 9)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

इंस्पेक्टर: (दरवाजे पर दस्तक) शुभ प्रभात, यह स्वास्थ्य विभाग है, मेरे पास आपके लिए कुछ सवाल हैं।

यहूदा:(दरवाजा खोलते हुए) हां इंस्पेक्टर?

इंस्पेक्टर: यहां कुछ स्वास्थ्य देखभाल की एक रिपोर्ट है। क्या आप यहां दवा का अभ्यास कर रहे हैं?

यहूदा: नहीं साहब।

इंस्पेक्टर: यात्री के साथ आपकी भागीदारी का आप कैसे वर्णन करेंगे?

यहूदा: वह अपने समूह के साथ मेरे पास आया था...

इंस्पेक्टर: क्या आपने उन्हें कुछ विशेष खाद्य पदार्थ दिया?

यहूदा: उनके साथी के समूह ने बहुत सारा खाए, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि मैंने यात्री को कुछ भी खाते हुए देखा। वह सिर्फ प्रार्थना करने में बहुत समय बिताया था।

इंस्पेक्टर: क्या तुमने उसे अच्छी तरह से देखा था?

यहूदा: दरअसल नहीं, मैंने उसे सहायता प्रदान की, मैंने उससे कहा कि मुझे डॉक्टर को बुलाने दे, लेकिन उसने मुझे नहीं बुलाने दिये। वह किसी का इंतजार कर रहा था।

इंस्पेक्टर: तो, क्या उसने अपने किसी साथी को उनके लिए भेजा था?

यहूदा: नहीं, असल में वे किसी से भी बात नहीं कर रहे थे। उसने सिर्फ, प्रार्थना की और इंतजार किया।

इंस्पेक्टर: फिर क्या हुआ?

यहूदा: फिर, कुछ दिनों के बाद कोई आया, उसे छूआ, उसने उससे कुछ कहा, उसे पानी से धोया और चला गया।

इंस्पेक्टर: क्या वह डॉक्टर था? क्या उन्होंने कोई दवा बताई? किसी भी उपकरण का उपयोग किया?

यहूदा: नहीं, नहीं, और नहीं।

इंस्पेक्टर: क्या वे दोस्त थे?

यहूदा: दरअसल, मैंने सोचा था कि वे दुश्मन है, लेकिन वे निश्चित रूप से मित्रों की तरह अभिनय कर रहे थे। मैं वास्तव में पूरी बात से उलझन में था।

इंस्पेक्टर: ठीक है, आपकी सहायता के लिए धन्यवाद। अगर मेरे पास और कोई सवाल हुए तो मैं आपको कहाँ ढूँढ सकता हूं?

यहूदा: मैं अपने घर में ही मिलूंगा, सीधी गली पर।

3 सुराग #3 वस्तु (पाठ 9)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: धूप का चश्मा।

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 9)

तरसुस के हलचल वाले शहर का फोटो, जहाँ आज लगभग 200,000 निवासी हैं, अभी भी भूमध्य सागर से कुछ मील की दूरी पर स्थित है। (गोपनीय: तरसुस वह शहर है जहाँ का प्रेरित पौलुस रहनेवाला है।)

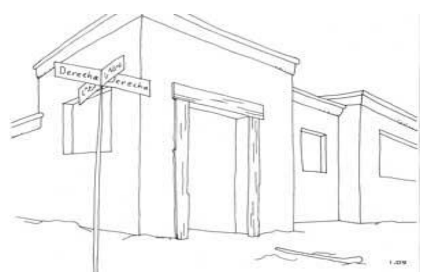

5 सुराग: 5 बाइबल दृश्य (पाठ 9)

सड़क जिसे "सीधी" कहा जाता है क्योंकि यीशु मसीह ने वहां शाऊल को भेजा था, और शाऊल के लिए एक लाठी क्योंकि वह अंधा था और उसने प्रभु की आज्ञा मानी थी।

मामला सुलझ गया मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया! (पाठ ९)

बाइबल कहानी (पाठ ९)

पौलुस का हृदय-परिवर्तन

बाइबल में से: प्रेरितों 9: 1-19

पौलुस यीशु का अनुयायी होने से पहले एक दुष्ट व्यक्ति था, जो भी मसीह का अनुसरण करता था वह उससे नफरत करता था। उसने यह भी कहा कि वह सबसे बड़े पापियों में से एक था! पौलुस को किसी भी मसीही को जेल में भेजने की अनुमति थी, केवल यीशु से प्रेम करने के कारण।

एक दिन, वह दमिश्क के शहर में चल रहा था, और जेल में डालने के लिए मसीहियों की तलाश में था। अचानक एक उज्ज्वल स्वर्गीय प्रकाश हुआ और पौलुस भूमि पर गिर पड़ा। उसने एक आवाज सुनी, "पौलुस, तू मुझे क्यों सताता है?" वह जानना चाहता था कि उसके साथ कौन बात कर रहा है और जल्द ही उसने जवाब सुना, "मैं यीशु हूँ जिसे तू सताता हैं, उठ और नगर में चले जा"।
जैसे ही पौलुस खड़ा हुआ, उसे एहसास हुआ कि वह देख नहीं सकता! यीशु ने उसे अंधा बना दिया था! पौलुस के साथ कुछ दोस्त थे और उन्होंने उसे शहर ले जाने में मदद की। जब वह वहा था तब उसने तीन दिन तक ना खाया और ना पीया, बस अपना समय प्रार्थना में बिताया। परमेश्वर ने अपने शिष्य हनन्याह से बात की, क्योंकि पौलुस ने प्रार्थना की थी। परमेश्वर चाहता था kकि हनन्याह जाये और पौलुस के लिये प्रार्थना करे, ताकि उसका अंधापन ठीक हो जाएँ। हनन्याह आश्चर्यचकित था, वह जानता था कि पौलुस ने मसीहियों पर कितना बुरा किया था और परमेश्वर को इसके बारे में बताया। परमेश्वर ने हनन्याह से कहा कि उसने पौलुस को अन्यजातियों और इस्राएल के लोगों को यह बताने के लिए चुना है कि वह उन्हें कितना प्यार करते हैं। आज्ञाकारिता में, हनन्याह पौलुस के लिए प्रार्थना करने को गया। जैसा कि हनन्याह ने प्रार्थना में पौलुस पर अपने हाथ रखे, पवित्र आत्मा ने पौलुस को भर दिया, और अंधापन उसकी आंखों से चला गया। पौलुस का हृदय-परिवर्तन हो गया और वह तुरंत गया और बपतिस्मा लिया।

अमलीकरण (पाठ ९)

मैं अपने शत्रुओं से प्रेम करूंगा।

याद करने की आयत (पाठ ९)

“परन्तु मै तुमसे यह कहता हूं: कि अपने बैरियो से प्रेम रखो और अपने सतानेवालो के लिए प्रार्थना करो“ - मत्ती 5:44

गृह कार्य (पाठ ९)

उस व्यक्ति के लिए एक छोटा सा उपहार खरीदें जिससे आपने कभी बुरी तरह से व्यवहार किया है, और उसे वह उपहार दें।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ ९)

हम इस पाठ से परमेश्वर के बारे में क्या सीखते हैं? परमेश्वर लोगों को उनकी मौजूदगी प्रकट करना चाहता है।

मस्ती का समय!! (पाठ 9)

खेल (पाठ 9)

शाऊल की तरह अंधा

शिक्षक एक विद्यार्थी को आंखों पर पट्टी बांधे, जब तक कि वह एक और विद्यार्थी को छू ना ले और जिसे छुए वह जरूर थोडा शोर करे। आंखों पर पट्टी वाले विद्यार्थी यह अनुमान लगाने की कोशिश करे कि विद्यार्थी कौन है जिसे छुआ गया है। जो लोग टैग किए जाने से बच रहे हैं वे कमरे के चारों ओर धीरे-धीरे और चुपचाप चलते रहना चाहिए।

प्री स्कूल के बच्चों की 2 टीमें बनाये, प्रत्येक टीम की आंखों पर पट्टी बांधे। एक विद्यार्थी आंखों पर पट्टी बांधे रहे और दूसरा मदद करे बच्चे को कक्षा मे पहले से शिक्षक द्वारा स्थापित साधारण बाधाओं को पार करने में।

चर्चा (पाठ ९)

(बड़े विद्‌यार्थियों के लिए)

1. जब लोग एक-दूसरे का न्याय करते हैं, तो यह कैसा लगता है?

कभी-कभी न्याय करना ऐसा दिखता है; फुसफुसाना, संकोच के साथ हँसना, किसी से दूर चलना, या किसी से बात करने से इनकार करना, आदि। शिक्षक के रूप में आपका लक्ष्य यह है कि इसके बारे में बात करें कि कैसे दूसरे लोग पौलुस का न्याय करना चाहते थे क्योंकि उसने हाल ही में कई मसीहियों की हत्या की थी और कैसे परमेश्वर कभी ऐसों को चुन लेता है जिनकी हम सबसे कम उनके काम करने की उम्मीद रखते हैं।

2. मसीही के रूप में, हमारे शत्रु नहीं होने चाहिए, इसलिए मेरा शत्रु कौन है जिससे मुझे प्यार करना है?

अपने विद्यार्थियों के साथ इस वास्तविकता पर चर्चा करने की कोशिश करें कि मसीही भी गैर-मसीहियों के समान बहस करते है, और कभी-कभी हम बहुत बदतर हो जाते हैं। अपने आप से झूठ नहीं बोलते हुए, हम सभी को यह स्वीकार करना होगा कि हमारे कई दुश्मन हैं। वे लोग हैं जो हमारे साथ नहीं मिल रहे हैं, जिन लोगों ने हमें चोट पहुंचाई है, या जिन लोगों ने हमारे पास से कुछ या किसी को दूर किया है। यह वे लोग हैं जिनके लिए हमें प्यार दिखाने की जरूरत है।

3. अगर परमेश्वर आपसे बात करने की कोशिश कर रहे थे और आप सुन नहीं रहे थे, तो आपका ध्यान पाने के लिए उसे क्या करना होगा?

कभी-कभी परमेश्वर हमारा ध्यान पाने के लिए कठोर चीजें करता है जैसे प्रेमी को खोना, आपको एक अलग शहर या राज्य में ले जाना, एक परीक्षा में बुरे ग्रेड प्राप्त करना, मित्र को दूसरे वर्ग में ले जाना, आदि। परमेश्वर हमारे ध्यान को पाने के लिए कुछ भी उपयोग कर सकते हैं क्योंकि वह हमारे शारीरिक कल्याण से ज्यादा हमारे आध्यात्मिक कल्याण के बारे में अधिक परवाह करता है।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ ९)

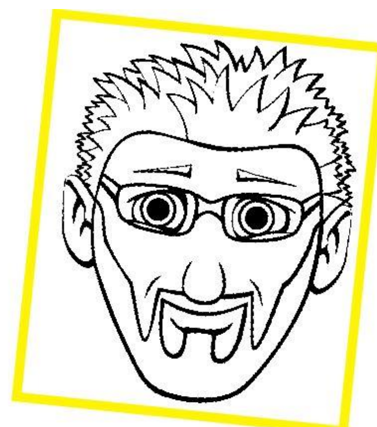

लूकास का प्रयोग (पाठ ९)

विद्यार्थियों को दो कप, दो पेपर क्लिप और स्ट्रिंग के एक टुकडे का उपयोग करके खिलौना "सेल फोन" बनाएं। उन दो कप के बीच में लंबी स्ट्रिंग से कनेक्ट करें, और कप के उपयोग से अलग-अलग कमरो में बात करें। (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)
https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1292377594131954/

--[मामला 10]--

सुराग! (पाठ 10)

सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 10)

अज्ञात कानाफूसी करने वाले का मामला

सुराग # 2 नाटक (पाठ 10)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

ऑपरेटर: आपातकालीन सेवाएं, आपकी आपात स्थिति क्या है?

फिनास: मुझे एक विश्वसनीय मौत की धमकी मिली है।

ऑपरेटर: ऐसा कब हुआ?

फिनास: पिछली रात। यह मेरे भाई द्वारा मेरे पिता को दिया गया था।

ऑपरेटर: ठीक है, मैं समझता हूं, मुझे लगता है आपके भाई ने तुम्हें मारने की धमकी दी है?

फिनास: पूरी तरह से नहीं।

ऑपरेटर: क्या वह आपका भाई नहीं है?

फिनास: नहीं, लेकिन मेरा मतलब दूसरा था। वह वास्तव में मुझे मारने वाला नहीं है।

ऑपरेटर: ठीक है, तो आप कहते हैं कि आपका गैर-भाई आपको मारने वाला नहीं है?

फिनास: हां यह सही है।

ऑपरेटर: मुझे नही लगता कि यहां रिपोर्ट करने के लिए एक अतिआवश्यक्ता है।

फिनास: खैर,वह कहता है कि परमेश्वर मुझे और मेरे भाई को एक ही दिन में मारना चाहता है।

ऑपरेटर: क्या परमेश्वर आप दोनों को एक ही दिन मारना चाहता हैं?

फिनास: हां यह सही है।

ऑपरेटर: एक सेकंड रुको, मैं तुम्हारी आवाज को पहचानता हूं जो मुझे लगता है। क्या आप वे मोटे प्रीस्ट हैं जो हमेशा स्टेक खाते हैं?

फिनास: नहीं, आप मेरे भाई के बारे में सोच रहे हो, मुझे पसलियाँ पसंद है।
ऑपरेटर: देखो, मैं कठोर नहीं हूं, लेकिन मैंने कभी उसके बारे में नहीं सुना कि वह गलत है। इसके अलावा, यदि आप परमेश्वर के विरुद्ध पाप करते हैं, तो आपकी सहायता कौन करेगा?
फिनास: अरे, यह कठोर था, तो क्या आप किसी अधिकारी को या किसी को भेजेंगे?
ऑपरेटर: महोदय, मुझे खेद है, आपकी मदद करने के लिए हम कुछ भी नहीं कर सकते। अपने पिता से बात करने की कोशिश करें कि वह आपकी मदद करने के लिए कोई तरीका निकालें।
फिनास: खैर, धन्यवाद। अलविदा।

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 10)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: कान कलियों।

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 10)

एली हारून के पुत्र ईतामार के वंश में से था और उसने इस्राएल के न्यायधीश और महायाजक के रूप में सेवा की जब नियम का सन्दूक, जिसमें दस आज्ञाएँ शामिल थी, शिलोह में था (गोपनीय: एक तस्वीर कि बाइबल की कहानी में कैसे एक महायाजक शमूएल के समय में एली की तरह तैयार होता होगा।)

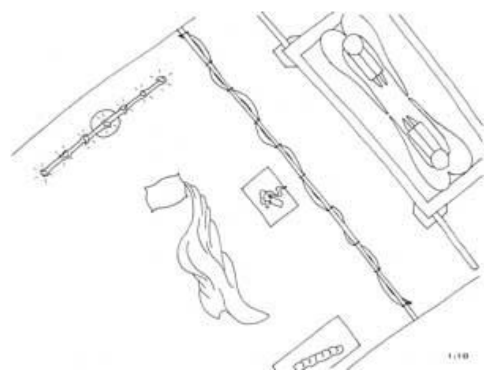

5 सुराग # 5 बाइबल दृश्य (पाठ 10)

गोपनीय: निवासस्थान के भीतर: एक दीवट, रोटी के साथ एक मेज, धूप की वेदी, एक पर्दा और वाचा का सन्दूक। इसके अलावा, एक तकिया और कंबल क्योंकि शमूएल भूमि पर सो रहा था।1 शमूएल 3:3

मामला सुलझ गया मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया! (पाठ 1□)

बाइबल कहानी (पाठ 1□)

शमूएल परमेश्वर की सुनता है

बाइबल में से: 1 शमूएल 3:1-18

शमूएल एक विशेष बालक था। परमेश्वर ने उसे अपने कार्य के लिए अलग किया था। वह एली याजक के माध्यम से मंदिर में बड़ा किया गया और शमूएल एली के प्रति वफादार था। शमूएल ने भी परमेश्वर की आज्ञा मानने में सबसे अच्छा कार्य किया।

इस समय के दौरान, परमेश्वर अपने लोगो से ज्यादा बात नहीं की थी और शमूएल ने कभी परमेश्वर की आवाज नहीं सुनी थी। तो रात को परमेश्वर ने उसे उसके नाम से बुलाया। उसने सोचा कि एली ने उसे बुलाया। यह सोचकर कि एली के साथ कुछ गलत हो रहा है, वह उसके पास दौडकर गया। एली ने स्पष्ट किया कि उसने शमूएल को नही बुलाया था, और वापस बिस्तर पर जाने के लिए कहा। जैसे ही शमूएल सोने के लिए चला गया, उसने अपना नाम फिर से सुना और वह एली के पास दौड़कर गया। एली ने जवाब दिया कि उसने शमूएल को नहीं बुलाया था, और फिर वापस बिस्तर पर जाने को कहा। जैसे ही शमूएल बिस्तर पर गया और सो गया, उसने अपना नाम फिर से सुना, और फिर वह एली के पास दौड़ कर गया लेकिन इस समय एली का जवाब अलग था। उसने शमूएल को बताया कि उसे परमेश्वर परमेश्वर बुला रहे है और अगर फिर से ऐसा होता है, तो उसे परमेश्वर को बताने की जरुरत है, “कि हे परमेश्वर कह क्योंकि तेरा दास सुन रहा है”। एक बार फिर शमूएल बिस्तर पर गया और सो गया, फिर से वह अपने नाम के पुकारे जाने पर जाग उठा। वह बिस्तर पर से उठकर बैठ गया और कहा, “कह परमेश्वर क्योंकि तेरा दास सुन रहा है”। परमेश्वर ने शमूएल के साथ सभी बातों को बाँटते हुए उत्तर दिया। परमेश्वर ने उन चीजों में से एक को शमूएल पर प्रगट किया कि एली के दो पुत्रों पर विनाश कैसे आयेगा। परमेश्वर ने शमूएल के साथ बात की, और इस बार शमूएल सुन रहा था।

अमलीकरण (पाठ 1□)

परमेश्वर मुझसे बातें करेंगे जब मैं उनकी को सुनता हूं

याद करने की आयत (पाठ 1□)

“..... भेड़े उसका शब्द सुनती है, और वह अपने भेड़ो को नाम ले लेकर बुलाता है और बाहर ले जाता है।"
- यूहन्ना 10:3ब

गृह कार्य (पाठ 10)

हफ्ते के दौरान, कुछ वयस्कों का साक्षात्कार करें और किसी को ढूढें, जिसने शमूएल की तरह, परमेश्वर की आवाज को सुना हो।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 10)

हम इस अध्याय से परमेश्वर के बारे में क्या सीखते हैं? परमेश्वर अपने लोगों के साथ संवाद करना चाहता है।

मस्ती का समय!! (पाठ 10)

खेल (पाठ 10)

सुनना खेल

शिक्षक कक्षा से यह पूछकर शुरु करता है, कि उन्हें क्या लगता है कि वे अच्छे श्रोता हैं कि नहीं। विद्यार्थियों की सुनने की काबिलियत को जांचने के लिए निम्नलिखित बातों का उपयोग करें ताकि यह पता लगाने की कोशिश करें कि विद्यार्थी ध्यान से सुनते हैं कि नहीं।

- अगर आप 3 सेब में से 2 सेब ले लेते है, तो आप के पास क्या बचा? (1 सेब नहीं वरण 2 सेब.... क्योंकि ये आपके पास है)
- कूदते हुए मेरे पीछे 5 बार दोबारा दोहराए: कूदो, कूदो, कूदो, कूदो, कूदो; हरे रंग की ट्रैफिक लाइट पर आप क्या करते हैं? ("चलो" इसका उत्तर है, ना कि "रुकना")
- विभिन्न ध्वनि प्रभाव के सी डी का उपयोग करें जैसे ताली, गाड़ी की, बारिश की, इत्यादि (अथवा ध्वनि ऑनलाइन ढूढें और अपने सेल फोन पर डाल लें)। अब बच्चों से बोले कि वे आँख बंद करें और हाथ तभी खड़ा करे जब वे ध्वनि को पहचान ले। अपने सेल फोन से ध्वनि को बजाएं, एक बार में एक ही ध्वनि को बजाएं और बच्चों से अनुमान लगाने को बोले कि यह ध्वनि किस की है।

चार के समूह में बच्चों को नियुक्त कर, प्रत्येक बच्चे को क्रमांक करें 1, 2, 3, 4। चार जगह पर सामान्य वस्तु (जैसे कि एक सिक्का, एक पैंसिल, एक पत्थर, एक कागज या खाली आवरण) को एक टेबल या कुर्सी पर रखें। विद्यार्थी को पढ़ने के लिए निर्देश पहले से ही लिखा जाना चाहिए। उदाहारण के लिए, "नंबर 2, कागज उठाओ"; नंबर 1 सिक्के को नंबर 4 को दो", "नंबर 3, पैंसिल को नंबर 1 को मत दो"; विद्यार्थियों के लिए यह उद्देश्य है कि वे पूरी तरह निर्देशों का पालन करे। शिक्षक विभिन्न वस्तुओं का उपयोग कर निर्देशों को बदल सकते है जैसे प्राप्त करना, देना, हाथ देना, पास करना, उठाना, नीचे रखना, लेना, व्यापार करना।

चर्चा (पाठ 10)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. आप कैसे बता सकते हैं कि क्या यह परमेश्वर आपसे बात कर रहा है या आपके पेट में कुछ है जो आपने दोपहर के भोजन में किया था?

सभी मसीहियों को यह सीखने की जरूरत है कि कैसे परमेश्वर से सुनें। पहले आप यह पुष्टि करें कि आप बाइबल से क्या सुनते हैं, यह सुनिश्चित कर ले कि ऐसा ना हो जो मेल ना खाता हो, कुछ ऐसी बात जो परमेश्वर ने किया है या शास्त्र में कहा गया है। दूसरा, आप जा कर अपने अधिकारियों, माता पिता, पास्टर, या शिक्षक के माध्यम से पुष्टि कर सकते हैं और तीसरा, आप अपनी अंतरात्मा में जांचे, कि क्या आप सही महसूस कर रहे हैं।

2. क्या भूत वास्तव में होते हैं?

वहां कोई भूत नहीं था जिसने शमूएल से बात की, परन्तु स्वयं परमेश्वर ने बात की थी, किन्तु यह कहानी भूतों के बारे में विचार को सामने लाती है। बाइबल यह स्पष्ट करती है कि पृथ्वी पर स्वर्गदूत और शैतान का अस्तित्व अभी भी है, अध्यात्मिक प्राणियों को जिन्हें हम नहीं देख सकते। शास्त्र में यह कहीं नहीं लिखा है कि मृत लोग का घरों के चारो ओर मौजूदगी हो या आस पास भूतों के स्थान मौजूद हो। इसलिए अधिकतर समय लोग सोचते है कि भूत वास्तव में हैं, यह या तो केवल उनकी कल्पना है या फिर दुष्टात्मा है। शैतान को झुठलाने के लिए हमारे पास ईश्वर का अधिकार है और भयभीत करने वाले विचारों को हमें कैद कर लेना चाहिए। जबकि हम मसीही हैं तो हमें भूतों से डरने की आवश्यकता नहीं हैं। हमें चाहे तो अपने मन से कह सकते हैं, कि हमारे दिमाग से खेलना बंद करे, या हम शैतान को झुठलाएं और कहें कि हमारे चारो ओर से खेलना बंद करे क्योंकि हमारे जीवन में उनका स्वागत नहीं है।

3. मुझे किसकी बात सुननी चाहिए?

किसी की सलाह का पालन तब तक ना करें, जब तक कि आप उनके जैसे नहीं बनना चाहते हैं या वह हासिल करना चाहते है जो उन्होंने हासिल किया। क्या आप सही कार्य करना चाहते हैं? तो किसी भी व्यक्ति की सलाह का पालन तब तक ना करें जब तक आप जानते है कि उनकी कही गई सलाह बाइबल में कहीं बातों से मेल नहीं रखती। उनकी सुनो जो आप से अध्यात्मिक में आगे हों और आप उनके समान बनना चाहते हैं।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 1□)

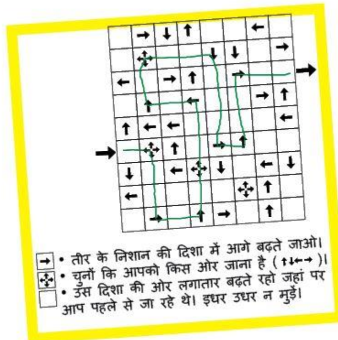

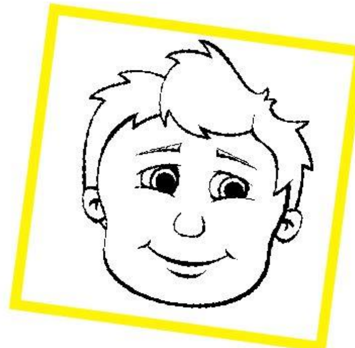

लूकास का प्रयोग (पाठ 1□)

आँखों पर पट्टी बांधे हुए विद्यार्थियों को एक कमरे के मध्य में बैठा दीजिए और विभिन्न प्रकार की फुसफुसाहट की दिशा को कक्षा में पहचान करे। विभिनता में शामिल है आँखों पर पट्टी बांधे विद्यार्थी के एक कान को बंद करे या ऐसा होने दें कि दूसरे सीटी बजाएं, ना कि फुसफुसाएं (अधिक विवरण के लिए यू ट्यूब पर देखें)।

https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1292466710789709/

--[मामला 11]--

सुराग! (पाठ 11)

सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 11)

चलने वाली ममी का मामला

सुराग # 2 नाटक (पाठ 11)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

संदेशवाहक - मैं वापस आ गया हूं।

मरियम - उसने क्या कहा?

संदेशवाहक - बड़ी खबर, उसने कहा यह बीमारी मृत्यु में खत्म नहीं होगी।

मरियम - (सिसक के और रोने लगती है)

संदेशवाहक - क्या हुआ?

मरियम - वह तो मर चुका है।

संदेशवाहक - ऐसा कैसे हो सकता है? ऐसा तो नहीं लग रहा था कि वह अगले दिन भी आएगा।

मरियम - मुझे समझ में नहीं आ रहा है, क्या तुम्हें निश्चय है कि उसने कहा था कि वह मरने वाला नहीं है?

संदेशवाहक - मुझे देखने दो (एक कागज का टुकड़ा निकालता है और उसे पढ़ता है), हां यह तो ऐसा ही दिखता है, "यह बीमारी मृत्यु में खत्म नहीं होगी।"

मरियम - यह मुझे दो (उसे पढ़ती है)

संदेशवाहक - तुम्हें जो हानि हुई उसके लिए मुझे खेद है।

मरियम - क्या उसने कहा कि वह आ रहा है?

संदेशवाहक -हां!

मरियम -ठीक है, जब वह यहां आएगा तब मैं उससे बात करूंगी, क्योंकि मैं कुछ भी नहीं समझ पा रही हूं (सुबकना शुरू कर देती है)

संदेशवाहक - क्या कुछ और भी है?

मरियम -मुझे अंतिम क्रिया के प्रबंध को शुरू कर देना चाहिए, क्या तुम जाकर फूलवाले को कुछ फूलों का आर्डर दे दोगे, मुझे यहां कुछ और भी मदद की आवश्यकता पड़ सकती है।

संदेशवाहक - बिल्कुल ठीक।

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 11)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: सफेद पट्टी का गोला या सफेद कपड़ा।

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 11)

बैतनियाह आज ऐसा दिखता है उसकी फोटो (गोपनीय: लाजर इस नगर में रहता था।)

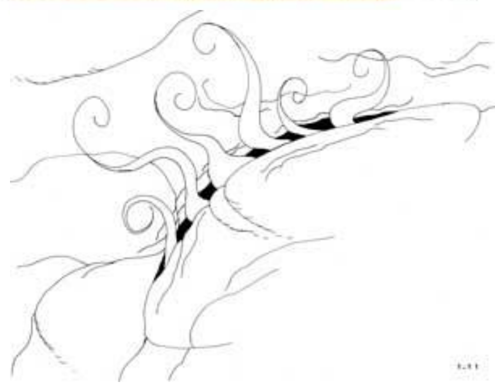

5 सुराग # 5 पुरातत्व (पाठ 11)

गोपनीय: बन्द कबर और मारथा ने कहा क्योंकि लाजर को मरे हुए 4 दिन हो चुके थे, यदि कबर को खोला जाएगा तो उसमें से भारी दुर्गंध आएगी।

मामला सुलझ गया मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया! (पाठ 11)

बाइबल कहानी (पाठ 11)

लाजर

बाइबल में से: यूहन्ना 11:1-14

यीशु एक नगर में आया था, लोगों में अपना प्यार बांट रहा था, तब उसे मालूम हुआ कि उसका परम मित्र लाजर बीमार है और मरने पर है, लाजर की बहन ने यीशु को बुलवा भेजा कि उनके शहर में आने में शीघ्रता करे ताकि उसका भाई बचाया जा सके। यीशु ने अगले दिन और ठहरने का निश्चय किया इसके पहले कि वह लाजर की सहायता करने को गया। उसने अपने चेलों से कहा कि लाजर सो गया है परन्तु कोई भी नहीं यह समझ सका कि लाजर वास्तव में मर गया है। जैसे ही यीशु और उसके चेले उस नगर में पहुंचे जहां लाजर रहता था, लाजर की बहन यीशु के पास आई और कहा यदि तू दो दिन पहले आया होता तो लाजर जीवित होता। यीशु ने उसकी बहनों से कहा कि यदि ये विश्वास करती कि वह परमेश्वर का पुत्र मसीह है और जो कोई उस पर विश्वास करता है अनंत जीवन उसका है। उन्होंने माना कि वे विश्वास करती हैं, परन्तु वे यह न जान पाई कि यीशु वास्तव में क्या कह रहा है। यीशु सब को साथ लेकर उस कबर के स्थान पर आया जहां लाजर दफन था। उसने पत्थर को लुढ़का देने का आदेश दिया, और बहनों ने उससे ऐसा न करने की बिनती की। लाजर को मरे हुए चार दिन बीत चुके थे और उसमें से बुरी दुर्गंध आ रही होगी। यीशु ने उनसे कहा, "क्या मैंने तुझसे नहीं कहा था कि, 'यदि तुम विश्वास करोगी तो परमेश्वर की महिमा को देखोगी?" और पत्थर लुढ़का कर अलग कर दिया गया और उसने जोर से पुकार कर कहा "हे लाजर, निकल आ, तब लाजर जीवित बाहर निकल आया। यीशु ने अपने मित्र लाजर को मरे हुओं में से जीवित किया।

अमलीकरण (पाठ 11)

जब विपरीत बातें होती हैं तब भी परमेश्वर मुझ से प्यार करते हैं।

याद करने की आयत (पाठ 11)

यीशु ने उससे कहा "पुनरूत्थान और जीवन मैं ही हूं, जो मुझ पर विश्वास करता है, वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा।" - यूहन्ना 11:25

गृह कार्य (पाठ 11)

उसके लिए कुछ अच्छा करें जिन्हें आप जानते हैं कि उसके साथ कुछ बुरा हुआ है।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 11)

इस पाठ से हम परमेश्वर के विषय में क्या सीखते हैं? परमेश्वर चाहता है कि लोग जानें कि पुनरुत्थान है।

मस्ती का समय!! (पाठ 11)

खेल (पाठ 11)

खेल (पाठ 11)

पीठ पर अक्षर

शिक्षक कक्षा को जोड़ियों में बांट दें। प्रत्येक समूह का एक सदस्य शिक्षक के पास छुपाकर लिखा हुआ अक्षर देखने को आता है। विद्यार्थियों के लिए बोलना, अक्षर बोलना या अपने साथी को उसके विषय में कुछ इशारा करना मना है। जब विद्यार्थी अपने साथी के पास पहुंच जाता है, शिक्षक कहता है ”जाओ“ तब विद्यार्थी अपने साथी की पीठ पर ऊंगली से अक्षर उकेरता है, तब यदि साथी अक्षर को पहचान लेता है तब साथी को अपना हाथ उठाकर बताना चाहिए कि वह क्या सोचता है कि क्या अक्षर हो सकता है। यदि अक्षर सही है तब जोड़ी को एक अंक प्राप्त होता है।

यदि अक्षर गलत हुआ तब खेल आगे बढ़ता जाता है। जब तक कि एक जोड़ी सही शब्द का अनुमान लगा न ले, सबसे अधिक अंकों वाला समूह खेल जीत जाता है।

बड़े बच्चों के लिए बदलाव: एक अक्षर लिखने के बजाय 3 अक्षरों का शब्द लिखें।

चर्चा (पाठ 11)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1.आप किस तरह कह सकते हैं कि आपका जीवन खराब बीता? आप क्या सोचते हैं कि परमेश्वर उसे कैसे ठीक करेगा?

जो आपके विद्यार्थी बताएं, उसे ग्रहण करें, कोई भी उत्तर गलत नहीं है। प्रत्येक के पास बुराई की कहानी होगी। अपने विद्यार्थी के बीच संतुलन बनाए रखते हुए दोनों के बीच चर्चा कायम रखें। मत्ती 19:29 दिखाता है कि कैसे परमेश्वर उन लोगों को समर्थन देंगे जिन्होंने इस पृथ्वी पर उसके लिए बलिदान दिया था। मत्ती 20 विपरीत हिस्से को दर्शाता है जहाँ कुछ काम करनेवालों में से दिन के अलग-अलग घण्टों में काम करने की एक सी मजदूरी प्राप्त की। इस दृष्टान्त से हमें यह सीख मिली कि जीवन सरल नहीं है और हो भी नहीं सकता। अपने विद्यार्थियों से दोनों पदों पर बात करते रहने को कहें।

2. क्या होता यदि मैं सचमुच बहुत प्रार्थना करता?

परमेश्वर एक वेंडिंग मशीन नहीं है। वह कमी हमसे कहेगा "नहीं" या "अभी नहीं।" परमेश्वर हमारे लिए सदा सबसे अच्छा है, भले ही अभी कुछ कठिन हो, परमेश्वर चाहता है कि हम प्रार्थना करें, और कभी जब हम प्रार्थना करते हैं, तब वह अपना मन बदल देता है, परन्तु हमें सदा वह अक्षर नहीं मिलेगा जो हम चाहते हैं।

3. प्रभु यीशु से आपकी क्या अपेक्षाएं है?

बहुधा मसीही बिना परेशानी का जीवन चाहते है, कि यीशु मसीह उनके लिए जीवन को आसान बना दे और ये हर समय स्वस्थ बने रहें, माफ कीजिए, यीशु ने कहा, मसीहियों के लिए जीवन कठिन होगा, सहज नहीं, शैतान वर्तमान मे खुला घूम रहा है, पृथ्वी पर हमें नाश करने को प्रयासरत है। हमारी अपेक्षा यह होती है कि यीशु कठिन समयों में हमारी सहायता करें, और हमें सही निर्णय लेने में हमारी सहायता करे, पर यह नहीं कि वे कठिन समयों को ही रखता है।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 11)

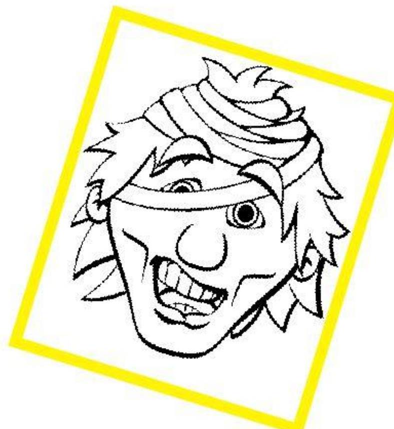

लूकास का प्रयोग (पाठ 11)

प्रत्येक बच्चे को एक कागज का टुकड़ा दिया जाए कि वे उसे अपने माथे पर रखकर मार्कर की सहायता से उस पर अपना नाम लिखें। ऐसे लिखना कठिन लगता है जब यह सब पीछे की ओर महसूस होता हैं। (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)
https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1292550470781333/

--[मामला 12]--

सुराग! (पाठ 12)

सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 12)

झूठ की सांठ-गांठ का मामला

सुराग # 2 नाटक (पाठ 12)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

द्वारपाल - हैलो ऑफिसर, आज मैं आपकी मदद कैसे कर सकता हूं?

जासूस - शुभ दोपहर (बिल्ला उतारता है और जेब में रखता है) क्या मैं आपसे कुछ प्रश्न कर सकता हूं?

द्वारपाल - हां, अवश्य।

जासूस - मैं समझता हूं कि इस इमारत में आज दो हत्याएं हुई हैं।

द्वारपाल - हम्म्, नहीं महाशय , मैं कहूंगा ये आत्महत्याएं थीं।

जासूस - क्यों? निश्चिय रूप से तुम उन्हें आत्महत्या ही क्यों बयान कर रहे हो? मुझे वो आत्महत्या के पहले लिखा गया को पत्र वहां नहीं दिखा, सबूत नहीं है, इससे यह आत्महत्या की श्रेणी में नहीं आता।

द्वारपाल - अच्छा, उन्होंने धोखा देने की योजना बनाई थी जो बहुत ही बुरा हुआ और इसका परिणाम उनकी मौत बन गई

जासूस - तुम कहां थे?

द्वारपाल - हमेशा की तरह, मैं यहां दरवाजे के बाहर ही खड़ा था।

जासूस - क्या इस नाटक में तुम्हारी भी कोई भूमिका है?

द्वारपाल - हां महाशय, मैं शवों को कमरे के अंदर से बाहर लाया और मृत्यु समीक्षक को दिया जिसने उन्हें दफनाने के लिए दे दिया।

जासूस - अच्छा, तो, तुमने शवों को देखा था?

द्वारपाल - हां महाशय, वे एक पुरूष और एक स्त्री के थे।
जासूस - जब तुमने उन्हें उठाया तो क्या उनके शरीर पर चोट या घाव के निशान थे?
द्वारपाल - नहीं महाशय, वे बिल्कुल स्वस्थ दिखते थे, सिवाय इसके कि वे मरे हुए थे।
जासूस - मैं यह अनुमान लगा सकता हूं कि तुम बाहर देखते हुए यह नहीं बता सकते कि अंदर क्या हो रहा है, क्या तुम ऐसा कर सकते हो?
द्वारपाल - यह अजीब है तुम यह कह सकते हो कि उन्होंने यह सोचा, परन्तु मैं तुम्हें बताऊं कि इस कमरे में बहुत से झूठे नहीं पाए गए।
जासूस - क्या कहा तुमने?
द्वारपाल - यहां झूठे नहीं पाए जाते।
जासूस -नहीं... इसके पहले।
द्वारपाल - ओह, कि कोई भी नहीं देख सकता था कि अंदर क्या चाल रहा था।

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 12)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: सिक्के

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 12)

यरूशलेम के मंदिर में सुलैमान का ओसरा आज कैसा दिखता है उसकी तस्वीर लाई जाए (गोपनीय: प्रेरितों के कार्य अध्याय 3 बताता है कि पतरस सुलैमान के ओसारे में प्रचार कर रहा है। पतरस का हनन्याह और सफीरा के साथ व्यवहार, प्रेरितों के कार्य के 5 वें अध्याय और यह इसके पास या इसी स्थान पर घटित हुआ।)

5 सुराग # 5 बाइबल दृश्य (पाठ 12)

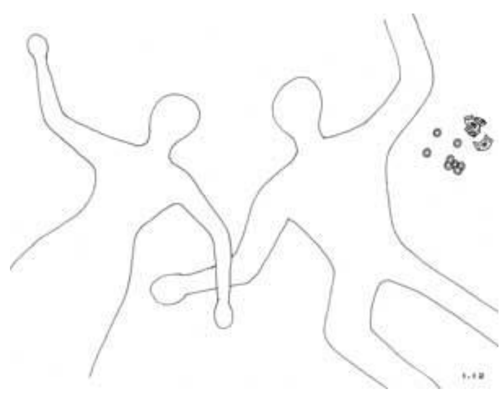

गोपनीय: जायदाद बेचने से प्राप्त धन (परन्तु पूरा पैसा नहीं) और पुरूष और स्त्री के शवों का छाया चित्र (पुरुष पहले गया और उसके बाद स्त्री)

मामला सुलझ गया मामला सुलझ गया

मामला सुलझ गया! (पाठ 12)

बाइबल कहानी (पाठ 12)

हनन्याह और सफीरा

बाइबल में से: प्रेरितों के काम 5:1-11

जैसे यीशु के चेलों ने यीशु की भलाई के विषय में बताया, लोग एक दूसरे की सहायता करने के लिए प्रेरित किए गए। वे गरीबों की मदद करने के लिए अपनी संपत्ति भी बेच देते थे। हनन्याह और सफीरा अलग नहीं थे, वे मदद करना चाहते थे। संयोगवश उनके पास एक जमीन का टुकड़ा था जिसे वे बेचना चाहते थे और पैसा दान में देना चाहते थे।

जैसे ही हनन्याह और सफीरा ने अपनी जमीन बेची, उन्होंने निर्णय लिया कि वे चेलों के पास उसमें का एक भाग लेकर जाएंगे और ऐसा दिखाएंगे कि उन्होंने सारा पैसा दे दिया है। हनन्याह बहुत ही खुश हुआ जैसे ही उसने पतरस के हाथ में पैसा दे दिया। परन्तु पवित्रात्मा ने पतरस को बताया कि हनन्याह झूठ बोल रहा है। उसने हनन्याह से पूछा कि कैसे वह शैतान को अपने मन में आने की अनुमति दे सका जब वह परमेश्वर के लिए कुछ अच्छा करने का प्रयास कर रहा था। जमीन हनन्याह और सफीरा की थी, उन्हें उसे बेचने की और न ही सारा पैसा देने की आवश्यकता थी। परन्तु उन्होंने इस के बारे में झूठ बोला। पतरस ने जब उसे झिड़का, उसके बाद हनन्याह गिर पड़ा और मर गया।

कुछ घण्टों के बाद सफीरा अपने पति को ढूंढ़ते हुए आई। जब पतरस ने उसे देखा उसने पूछा क्या हनन्याह ने सारा पैसा दान दिया जितने में उसने बेचा था। उसने भी झूठ कहा जैसा उसके पति ने किया। पतरस अचरज में पड गया कि सफीरा भी परमेश्वर से झूठ बोली। और उसने बड़े दुःख के साथ पूछा कि वह कैसे परमेश्वर की परीक्षा कर सकती है। सफीरा को तुरन्त पता चल गया कि उसका पति मर चुका है। और जैसे ही उसने उन लोगों को देखा जिन्होंने उसे गाड़ा था, वह भी गिर के मर गई।

अमलीकरण (पाठ 12)

परमेश्वर हमसे चाहते हैं कि हम हमेशा सच बोलें।

याद करने की आयत (पाठ 12)

"एक दूसरे से झूठ मत बोलो, क्योंकि तुमने पुराने मनुष्यत्व को उसके कामों समेत उतार डाला है।"
कुलुस्सियों 3:9

गृह कार्य (पाठ 12)

एक झूठ जो आपने कहा है उस पर विचार करें। उस झूठ को दोबारा किसी दूसरे से न बोलने का निश्चय करें। एक छोटा कागज का टुकड़ा लें, और वह झूठ उस पर लिखें, उस पर एक प्रार्थना लिखें, परमेश्वर आपकी मदद करें कि आप आगे को झूठ न बोलें। कागज को बाहर ले जाकर उसे गाड़ दें।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 12)

इस पाठ से हम परमेश्वर के बारे में क्या सीखते हैं? परमेश्वर लोगों के मन और उसके उद्देश्यों को जानता है।

मस्ती का समय!! (पाठ 12)

खेल (पाठ 12)

किसने अपने सिक्के नहीं दिए?

शिक्षक बच्चों को एक गोले में बैठने को कहें और एक बच्चे (पतरस) को चुनते हैं कि वह गोले के केंद्र में रहे। एक छोटे बच्चे (हनन्याह) को एक सिक्का दिया जाता है जो कि बच्चे अपने पीछे से घड़ी की दिशा में एक दूसरे को देते जाते हैं और एक दूसरा सिक्का दूसरे बच्चे (सफीरा) को दिया जाता है उसे बच्चे घड़ी की विपरीत दिशा में अपनी पीठ के पीछे से आगे बढ़ाते जाना हैं। बच्चों को ऐसा दिखाना है कि वे सिक्का पारित कर रहे हैं चाहे वे उनके पास हो या न हो। शिक्षक पतरस (लड़का/लड़की) को आंख बंद करने को कहे, और उसे उसी के स्थान पर दो तीन चक्कर लगा दे जब तक बच्चे सिक्के आगे बढ़ा रहे हो। तब शिक्षक पतरस लड़का/लड़की को आंखें खोलने को कहें और उसे अनुमान लगाना है कि किस के पास सिक्का है। खेल चलता रहता है जब तक कि पतरस हनन्याह या सफीरा को पकड़ नहीं लेता (एक बच्चा सिक्के के साथ)। सिक्के के साथ पाया गया बच्चा बीच में जाकर अगला ”पतरस“ बन जाता है।

चर्चा (पाठ 12)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. क्यों हर कोई स्वर्ग नहीं जायेगा?

बाइबल कहती है कि सबने पाप किया है और वे नरक के भागी हैं। परमेश्वर यांत्रिक मानव नहीं चाहता, और उसने हमें स्वतंत्र इच्छा के साथ बनाया है। परमेश्वर चाहता है कि हर एक बचाया जाए परन्तु कुछ मनुष्यों ने अपनी इच्छा से चलने की राह चुनी और यीशु और स्वर्ग को स्वीकार नहीं किया।

2. क्यों हमारे आसपास पर्याप्त नहीं है (आपस में बांटने के लिए)?

सर्वप्रथम, "पर्याप्त" एक चलायमान लक्ष्य है, और वह हर देश और हर वर्ष बदलता रहता है। दूसरा, यीशु ने कहा कि गरीब हमेशा हमारे साथ रहेंगे। और तीसरा, यह कि देना हमारे लिए अच्छा है।

3. एक" सफेद झूठ "या एक छोटा पाप का परिणाम क्या होता है?

उद्देश्य महत्वपूर्ण हैः क्या आप किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाने या स्वयं के लिए धन बचाने के लिए झूठ बोल रहे हैं? परमेश्वर छल को पसंद नहीं करता। उनके लिए यह अच्छा होता कि वे जमीन नहीं बेचते और उसमें का कुछ भाग देकर पैसे के विषय में झूठ न बोलते।

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 12)

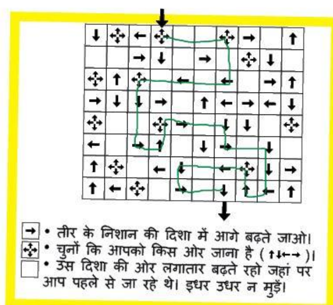

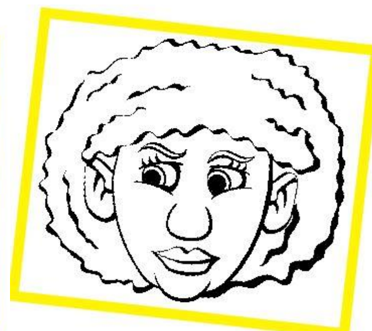

लूकास का प्रयोग (पाठ 12)

हर एक विद्यार्थी मेज़ पर रखे एक कागज पर एक निशान लगायें, उसके बाद विद्यार्थी को हटा दिया जाए और उसे अपनी एक आंख बंद करके उसी निशान पर जल्दी से निशाना लगाने को कहें। (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें)

https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1292637964105917/

--[मामला 13]--

सुराग! (पाठ 13)

सुराग # 1 शीर्षक (पाठ 13)

विचित्र डरावने सपनों का मामला

सुराग # 2 नाटक (पाठ 13)

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

मुसाफिर: आप किसे ढूंढ रहे हो?

प्राइवेट जासूस: मैं एक युवक के गुमशुदगी के मामले की पड़ताल कर रहा हूं जो लगभग इतना लंबा होगा और उसने शायद एक विशेष तरह की जैकेट पहन रखी थी।

मुसाफिर: जी हाँ, मैंने उसे देखा था, वह यहां पर कुछ दिन पहले आया था।

प्राइवेट जासूस: क्या आप जानते हो कि वह कहां जा रहा था?

मुसाफिर: मुझे लगता है कि वह शायद दोतान की तरफ जा रहा था।

प्राइवेट जासूस: दोतान की ओर क्यों?

मुसाफिर: खैर, मैंने उसके भाइयों को वहां की ओर जाने के बारे में कहते सुना था इसलिए जब वह यहां पर उनके बारे में पूछ रहा था तब मैंने उससे कहा कि वह शायद दोतान की ओर गए हैं।

प्राइवेट जासूस: क्या आपने कुछ और भी सुना था?

मुसाफिर: जी हां, अगर वह उनका भाई होता तो मैं कभी भी उनके पास नहीं जाता। वे उसके प्रति काफी गुस्से से भरे हुए थे।

प्राइवेट जासूस: काफी विचित्र बात है, क्या आपने सुना कि वह क्यों इतना गुस्सा थे?

मुसाफिर: खैर शायद, मुझे लगता है कि उसने अपने भाइयों के बुरे व्यवहार की खबर अपने पिता को दी होगी और उसके बाद वे बड़े शांत आवाज में कुछ कह रहे थे जिसे मैं सुन नहीं पाया।

प्राइवेट जासूस: तुमने नहीं सुना या तुम सुनना नहीं चाहते थे?

मुसाफिर: मैंने यहां वहां से टुकड़ों में कुछ सुना लेकिन वह मेरे लिए कोई मतलब की बात नहीं लेगी, लेकिन वे सभी भाई इस बात से यकीनन काफी खुश लग रहे थे। दान काफी गर्म मिजाज का लग रहा था लेकिन बेन जहां तक लगता है कि उसका नाम था, वह ज्यादा रोमांचित लग रहा था।
प्राइवेट जासूस: और तुमने उसे बताया कि उसके भाई कहां की ओर गए थे?
मुसाफिर: खैर, मैंने पाया कि दोतान की तरफ जाने से पहले वे सभी शांत हो चुके थे और वह सुरक्षित लग रहा था।
प्राइवेट जासूस: मुझे इस बारे में यकीन नहीं होता।
मुसाफिर: क्यों, कुछ हुआ क्या?
प्राइवेट जासूस: हां, वह गुमशुदा है और अब तक उसे मृत माना जा चुका है। उसके पिता ने मुझे इस काम की पड़ताल के लिए नियुक्त किया है कि उसके गुम होने से पहले के समय का ब्यौरा इकट्ठा करूं और अगर संभव हो तो उसके अवशेष भी ढूंढ निकालूं।
मुसाफिर: ओह प्रभु, बेचारा जवान, वह इतना खोया हुआ लग रहा था। मैं तो केवल उसकी मदद करना चाहता था, लेकिन मुझे सचमुच इसके बारे में कुछ नहीं पता था!

3 सुराग # 3 वस्तु (पाठ 13)

अपनी कक्षा में इस भौतिक वस्तु को एक सुराग के रूप में लायें: तकिया

4 सुराग # 4 पुरातत्व (पाठ 13)

दुनिया में ऐसे कई स्थान हैं जहाँ पर गेहूं की खेती हाथ से की जाती है। (गोपनीय: गेहूं के पूले ऐसे ही दिखते होंगे जो कि यूसुफ़ के सपने में उसके सामने झुके थे।)

5 सुराग # 5 बाइबल दृश्य (पाठ 13)

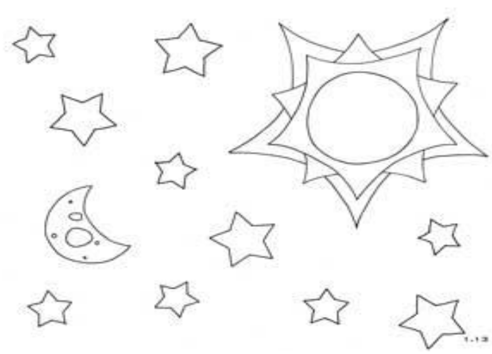

गोपनीय: यूसुफ़ का सपना: सूर्य उसके पिता को, चाँद उसकी माँ को, और दस तारे उसके भाइयों को दर्शाते हैं।

मामला सुलझ गया! (पाठ 13)

बाइबल कहानी (पाठ 13)

यूसुफ और उसके सपने

बाइबल में से: उत्पत्ति 37:1-11

यूसुफ, याकूब नाम के एक चरवाहे का सबसे छोटा बेटा था। उसके बड़े भाई सभी उससे नफरत करते थे क्योंकि उनके पिता सबसे अधिक यूसुफ से प्रेम करते थे। आप देखें, यूसुफ का जन्म तब हुआ था जब याकूब एक बूढा आदमी था और उसने यूसुफ को एक विशेष आशीष के रूप में देखा था, इसलिए वह उससे दूसरों से अधिक प्रेम रखता था। साथ ही युसूफ, याकूब की प्रिय पत्नी का बेटा भी था। याकूब ने यूसुफ के लिए एक बहुत ही कीमती रंगबिरंगा अंगरखा बनाया था और इस कारण से उसके भाई उससे और अधिक नाराज हो गए थे, यहां तक कि उसके लिए एक अच्छा शब्द भी नहीं कहा। तब परमेश्वर ने यूसुफ को दो अलग-अलग सपने दिखाए। पहला सपना एक खेत का था जहां पर वह और उसके सभी भाई गेहूं के पूले बांध रहे थे। अचानक यूसुफ का पूला उठ कर सीधा खड़ा हुआ और उसके भाइयों के पुले उस पूले के चारों ओर झुक कर दंडवत कर रहे थे। दूसरा सपना सूरज, चांद और तारों का था। उसका पिता सूरज थे, मां चांद थी और उसके सभी भाई तारे थे और वे सभी झुककर उसके सामने दंडवत कर रहे थे। उसने इन सपनों को अपने भाइयों और अपने पिता को बताया और वे सभी यह सुनकर क्रोधित हो उठे। उसके भाइयों ने इस बात पर यकीन करने से इनकार किया कि एक दिन वे उस भाई के सामने झुककर दंडवत करेंगे जिससे वे घृणा करते हैं। याकूब ने भी अपने प्रिय पुत्र को डांटा, जो स्वयं भी यह विश्वास करना नहीं चाहता था कि वह और उसकी पत्नी एक दिन अपने बेटे के सामने झुक कर दंडवत करेंगे। लेकिन याकूब ने इस बात को हमेशा अपने मन में स्मरण रखा। कई सालों के बीतने के बाद, उसके सभी सपने सच हुए, और परमेश्वर ने युसूफ को मिस्र देश में एक महान अधिकारी बना दिया जिसने कई लोगों को एक बहुत ही भयंकर अकाल में नाश होने से बचाया।

अमलीकरण (पाठ 13)

मैं जानता हूँ कि परमेश्वर मेरे मित्रों और परिवार के सदस्यों को अलग अलग वरदान देते हैं।

याद करने की आयत (पाठ 13)

"परन्तु सचमुच परमेश्वर ने अंगों को अपनी इच्छा के अनुसार एक एक करके देह में रखा है। यदि वे सब एक ही अंग होते, तो देह कहाँ होती?" - 1 कुरिन्थियों 12: 18-19

गृह कार्य (पाठ 13)

तीन ऐसे लोगों की सूची बनाओ जिन्हें आप जानते हो और जिन्हें परमेश्वर ने प्रतिभाओं, योग्यताओं या विशेष सामर्थ का वरदान दिया हो और जो आपसे भिन्न हो। परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह आपकी सहायता करें कि उनके वरदानों के प्रति आपको कभी ईर्ष्या ना हो।

परमेश्वर का डीएनए (पाठ 13)

इस पाठ से हम परमेश्वर के विषय में क्या सीखते हैं? कई बार परमेश्वर लोगों को उनके विषय में अपनी भविष्य की योजनाओं को दिखाते हैं।

मस्ती का समय!! (पाठ 13)

खेल (पाठ 13)

सपनों का खेल

शिक्षक इस खेल की शुरुआत कक्षा को दो टीमों में बांटते हुए करते हैं: गेहूं के पूले और तारे। शिक्षक कक्षा के अंत में एक सुरक्षा-रेखा खींचता है जहां तक कि विद्यार्थी भाग सकते हैं और टैग होने से बच सकते हैं। शिक्षक कहानियों को बोलते जाते हैं और जब टीम उनके शब्द को सुनते हैं (उदाहरण के लिए: गेहूं या तारे) तो वे तुरंत सुरक्षा-रेखा की ओर भागते हैं। एक टैग किये हुए विद्यार्थी को उस टीम में जुड़ना होगा जिसने उसे टैग किया है। 15 मिनट के बाद खेल के अंत में जिस टीम में सबसे अधिक खिलाड़ी होंगे वही टीम विजेता होगी। हारने वाली टीम विजयी टीम के सामने झुक कर दंडवत करेगी, जैसा कि बाइबल की कहानी में बताया गया है।

चर्चा (पाठ 13)

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 क्या मुझे परमेश्वर के बारे में दूसरों को बताना चाहिए?

मसीहीयो को हमेशा परमेश्वर के बारे में दूसरों को बताने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। 1 पतरस 3:15 कहता है,"जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे, उसे उत्तर देने के लिए सर्वदा तैयार रहो... ।" मत्ती 28: 19-20 हमसे पृथ्वी के छोर तक जाने और मसीह के बारे में बताने की आज्ञा देता है। यह हमें अपने आप अकेले नहीं करना है, परमेश्वर इसमें हमारी सहायता करेंगे। प्रेरितों 1:8 कहता है कि पवित्र आत्मा हमें उसके गवाह बनने की सामर्थ्य प्रदान करेगा। कुछ लोग दूसरों को सुसमाचार सुनाते हैं क्योंकि यह उनको दिया गया विशेष वरदान और बुलाहट होता है (इफिसियों 4:11 हमें एक सुसमाचारkक के विभिन्न वरदान और बुलाहट की सूची प्रदान करता है) विद्यार्थियों को अपने स्कूल और पड़ोस में एक सुसमाचारkक के रूप में

जाकर हर किसी को परमेश्वर के बारे में बताने का उत्तरदायित्व महसूस नहीं होना चाहिए जब तक कि उन्हें एक सुसमाचारक का वरदान नहीं दिया जाता। हालांकि, हम सभी को परमेश्वर के बारे में दूसरों को बताने की इच्छा मन में हमेशा रहनी चाहिए।

2 वे कौन से तरीके हैं जिनके द्वारा आपके दोस्त आपसे बातें करते हैं? परमेश्वर की ओर से एक " ट्वीट" कैसे दिखेगा?

अपने दोस्तों से हम फेसबुक, चैट, ट्विटर, सेलफोन कॉल, आमने-सामने और अन्य कई तरीकों से संवाद करते हैं। आपके लिए परमेश्वर के संदेश क्या सार्वजनिक है या निजी तौर पर देखे जाने के लिए है? परमेश्वर कुछ समय हमसे किसी स्थान पर जाने के लिए " जाओ" कहता है या " रुको" कहता है और उसमें हमारी सहायता करता है। कई बार वह हमें केवल एक शब्द के द्वारा ही निर्देश देता है। हम उसकी आज्ञा तब भी मान सकते हैं जबकि हम अभी तक उसके द्वारा किए गए पूरे "ट्वीट" को समझ ही न पाए हो।

3 सपने कितने भरोसा करने लायक होते हैं? क्यों लोग भविष्य बताने वालों को पैसा देकर यह जानने की कोशिश करते हैं कि उनका भविष्य क्या होगा?

बच्चे हर सुबह अपने सपनों के बारे में बातें करना काफी पसंद करते हैं। अगर उन्हें कुछ समय बांटने के लिए दिया जाए, तो वे पाएंगे कि उनके सपने कोई मायने या मतलब नहीं रखते, और अक्सर असंभव ही होते हैं, यह कई बार आंशिक रूप से किसी टीवी शो या रात को सोने से पहले देखे गए किसी फिल्म से प्रेरित होते हैं।

हालांकि परमेश्वर ने कई बार स्वप्न को इस्तेमाल किया है, लेकिन फिर भी यह काफी दुर्लभ ही रहा है। कहीं बार परमेश्वर हमसे सपनों में बातें कर सकते हैं, लेकिन यह हमें भ्रमित कर सकते हैं। साथ ही, भविष्य बताने वालों पर भी विश्वास नहीं किया जा सकता। व्यवस्थाविवरण 18:10-12 में लिखा है, "क्योंकि जितने ऐसे ऐसे काम करते हैं वे सब यहोवा के संमुख घृणित हैं..." परमेश्वर अपने लोगों को भावी कहने वालों के पास ना जाने की चेतावनी देते हैं क्योंकि वह जानता है कि ऐसा करने पर वे अपने भविष्य के लिए परमेश्वर पर निर्भर नहीं रहेंगे, बल्कि वे अपने भविष्य के विषय में पहले से जानना चाहेंगे कि क्या होने वाला है। परमेश्वर चाहता है कि लोग पूरी तरह से परमेश्वर पर निर्भर रहें और उसी पर भरोसा रखें!

विद्यार्थी पृष्ठों के उत्तर (पाठ 13)

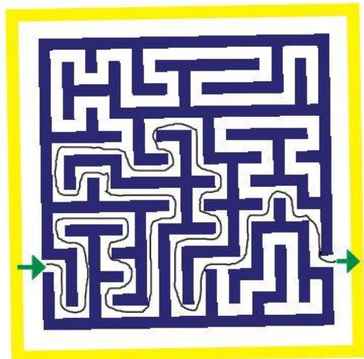

लूकास का प्रयोग (पाठ 13)

बच्चों को अपने एक पैर को हवा में उठाते हुए और उसे घड़ी की दिशा में घुमाते हुए एक कागज के टुकड़े पर अपने नामों को लिखने को कहें। (अधिक विवरण के लिए यू-ट्यूब में देखें

https://www.facebook.com/childrenareimportant/videos/1293723920663988/